Digitized by eGangotri

ॐ

कॉशिर भगवद् गीता

अनुवादक

मनमोहिनी तोषखानी

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

कॉशिर भगवद् गीता

अनुवादक :

मनमोहिनी तोषखानी

स्कैन्ड/Scanned

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

विषय सूची

❋	प्राक्कथन	5
❋	पुरोवाक् : प्रो० (डा०) सत्यभामा राज़दान	7
1.	ग्वडनिच अध्याय	9
2.	दोयिम अध्याय	16
3.	त्रेयिम अध्याय	28
4.	च़ूरिम अध्याय	35
5.	पाँच़िम अध्याय	43
6.	शेयिम अध्याय	48
7.	सॅतिम अध्याय	56
8.	ऑठिम अध्याय	61
9.	नॅविम अध्याय	66
10.	दॅहिम अध्याय	73
11.	कॅहिम अध्याय	80
12.	बॅहिम अध्याय	90
13.	त्रुवहॉयिम अध्याय	94
14.	च़्वदहॉयिम अध्याय	100
15.	पंदहॉयिम अध्याय	105
16.	शुरहॉयिम अध्याय	110
17.	सदहॉयिम अध्याय	116
18.	अरदॉयिम अध्याय	121

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

लीलायि

1. गुरू नमन 134
2. गुरू द्वार 136
3. गुरू जी दया कर 140
4. ज़न्म रथि खार 141
5. शंकर अस्तुति 143
6. छुस नु आर 145
7. शंकर वन्दना 147
8. विश्वास 148
9. दोख संसार 150
10. प्रभु भजन 152
11. सच्चा दरबार 153
12. दुबयि 154

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

प्राक्कथन

श्रीमती मनमोहिनी तोषखानी ओस अनन्तनाग कश्मीर किस ॲकिस साधारण तु श्रूज़िस ब्रह्मण परिवारस मंज़ ज़न्म ह्यॉतमुत। यिहुंदिस मॉलिस माजि ऑस धर्मस कुन स्यठाह प्रवृति। अमि किन्य ओस यिहुंदिस घरस मंज़ साधू-सन्तन हुंद युन-गछुन रूज़िथुय आसान। यॉहय छु वजह ज़ि यिहुंज़ रुचि ति गॅयि धर्मुच्यन काम्यन मंज़ बडान।

लॉकचारस मंज़ुय प्योव यिहुंदि परिवारुक्य पालन-पोषणुक भार यिहुंद्यन फेक्यन प्यठ। मगर निराशा त्यॉगिथ कॉर यिमव ज़िन्दगी हुंज़ि हर चुनौती हुंद मुकाबलु पूर परिश्रम, निष्ठा, धैर्य तु प्रतिबद्धतायि सुत्य। पनुन्यन सन्तानन थॅज़ शिक्षा दिथ, सशक्त तु स्थापित कॅरिथ द्युत यिमव अकि पज़ि कर्मुयोगिनी हुंद परिचय। ज़िन्दगी हुंद्यन कष्टन सहजता तु दृढ़तायि सान बर्दाश्त कॅरिथ तु पनुन परिवार सशक्त करनुक श्रेय ऑस्य यिम श्रीमद भगवद् गीतायि हुंदिस ज्ञानस दिवान।

यिहुंज़ 'कॉशिर भगवद् गीता' न छि शब्दशः अख अनुवाद न कांह दार्शनिक टीका-टिप्पणी। बॅल्कि छि यि श्रीमद भगवद् गीतायि हुंदि सम्वादुक काव्यमय सरलीकरण तु भक्ति-भावनायन हुंज़ मात्र अभिव्यक्ति। यि छि कॉशिर ज़बॉन्य लोल भरण वाल्यन बायन तु

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

बेन्यन हुंदि फॅयिदु खॉतुर प्रभु च़रणन समर्पित अख प्रस्तुति। यथ रचनायि छेनु साहितिक दृष्टिकोण सुत्य आँकलन करनुच कांह ज़रूरत।

श्रीमद भगवद् गीतायि हुंद ज्ञान, दर्शन तु मार्गदर्शन आत्मसात कॅरिथ गुज़ॉर श्रीमती मनमोहिनी तोषखानी थद्यन मूल्यन प्यठ पनुन्य ज़िन्दगी। श्रीमद भगवद गीता ऑस यिहुंज़ि दॊहदिशचि ज़िन्दगी हुंद अख अभिन्न अंग, यॅम्युक संग रूद यिमन ऑखरी दमस ताम।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

पुरोवाक्

यस्यांगेऽखिलसृष्टिसौष्ठवमिदं प्रोतं सदा वर्तते
यल्लीलाश्रवणेन दुर्जयमम: शीघ्रं हरौ रूध्यते।
नाम्नैकेन हि यस्य पापनिरतोजीवो भयान्मुच्यते
वत्सीकृत तु फाल्गुनं करूणया गीतादुहे नो नम:।।

(यसुंदिस शरीरस मंज़ सम्पूर्ण सृष्टि हुंद सौन्दर्य रॅचिथ बॅसिथ छु, यसुंज़ लीला बोज़नु सुत्य दॊरज़य मन जलदुय भगवानस कुन लीन गछ़ान छु, यसुंद अख नाव ह्यनु सुत्य पापन कुन लोगमुत ज़ीव ति छु भयि निश मोक्तु गछ़ान तु यॅम्य फाल्गुन (अर्ज़न) वोछ़ बनॉविथ कृपायि सुत्य गीतायि हुंद द्वद चोव तॅमिस भगवान कृष्णस छि ॲस्य सॉरी परन प्यवान।)

श्रीमद् भगवद्गीता छु सु बेजोड ग्रन्थ यथ ज़न भारतीय ज़बॉन्यव अलावु अंग्रीज़ी, फ्रांसीसी, रूसी, चीनी, जर्मन, जापॉन्य, फारसी तु अरबी वगॉरु हिशन दुनियीहचन मुखतलिफ ज़बॉन्यन मंज़ तर्जमु करनु आमुत छु। व्यदवानव तु फलसफदानव छि अथ प्यठ वुनिसतान्य कुचु वखनयि लेछिमचु या अज़कल ति छि लेखनु यिवान, अमापोज़ अमिक्यन गूढ़ फलसफी रहस्यन हुंदि समन्दरुक न छु अज़ताम थाह म्यूलमुत तु न मेलि। अमिकि ज्ञानुक सार छु 'वासुदेव: सर्वम्' यानि बु कुस, चु कुस तु हु कुस। यि केंछ़ाह यथ ज़गतस मंज़ छु ति सोरूय छु वासुदेव। वासुदेवुय छु सृष्टि हुंद कर्त्ता तु कल्पान्तस प्यठ तसुंज़

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

बनॉवमुज़ सृष्टि तॅस्य मंज़ विलीन गल्लान। यि च़ेननुय छु गीतायि हुंद ज्ञान प्रावुन तु यिहय छि 'शरणागति'। यि गॅयि स्व अवस्था यॅलि ज़न भक्त काम, क्रूद, लूभ तु मोह-मायायि हुंज़ि अनिगटि मंज़ु न्यबर नीरिथ स्मृति हुंदिस प्रकाश सॅंदरस मंज़ छु ग्वतु ग्वत करान तु पनुन शरीर, इन्द्रिय, मन तु बुद्धि ह्यथ छु पान भगवानस समर्पित करान। अमि पतु छुन शरणागत (अहं भाव) बल्कि छु सिर्फ शरण्य (भगवान) रोज़ान। भगवद्गीतायि मंज़ ति छु अर्जुन ऑखुरस प्यठ वनान - 'नष्टो मोह: स्मृतिर्लब्धा) याने हे श्रीकृष्ण! चानि कृपायि सुत्य गव म्यानि मोहुक ज़ाल खत्म तु मे लॉब स्मृति हुंद प्रकाश।

श्रीमती मनमोहिनी तोषखानी छि श्रीमद् भगवद्गीतायि हुंद्य संवाद कॉशिरि ज़बॉन्य मंज़ बड़ु सहज तु सरल काव्य-शैली मंज़ लीखिथ थ्यकुन्य लायख कॉम कॅरमुज़। मे छि पूरु त्वमेद ज़ि कॉशरि ज़बॉन्य मंज़ आसनु किन्य हॅकि अमिकि ज्ञानुक प्रकाश तिमन लूकन तान्य ति वॉतिथ यिम ज़न संस्कृत ज़बॉन्य सुत्य ज़ॉनियाब न आसनु किन्य भगवद्गीता छिनु पॅरिथ तु समजिथ ह्यकान।

प्रो० (डा०) सत्यभामा राज़दान

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 1

ध्रतराष्ट्र वनान

1. संजयस ध्रतराष्ट छु प्रुछान।
पॉत्र म्यॉन्य तु पांडव क्या छि करान।।
कुरूक्षेत्रस मंज़ क्या सपदान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

संजय वनान

2. तमि वक्तु राज़ु दुर्योधन।
मोंचु बंद पाण्डव सेना वुछान।।
द्रोनाचार्यस निश लारान। वॉनुय भगवानन...

3. छुस वनान ही गुरू छिवु वुछान।
मोंचु बंद पाण्डव सेना महान।।
ध्रष्टद्युमन शिष्य चोन स्यठा बुद्धिमान। वॉनुय भगवानन...

4. अथ सेनायि मंज़ बॅडि बलवान।
भीमसेन तु अर्ज़न दीवस समान।।
सात्यिकी विराट राज तु चकितमान। वॉनुय भगवानन...

5. महारथी द्रुपद तु धेष्टकेतू।
सुभद्रा पॉत्र अभिमन्यू।।
कुन्तीबोज काशी राज महा बलवान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. उत्तञ्भौज तु शैन्य पराक्रमी।
द्रौपदी पुत्र पाँच़वय महारथी।।
अस्त्र-शस्त्र ह्यथ बेयि तीरकमान।वोनुय भगवानन...

7. ही ब्रह्मण श्रेष्ठ छुसव वनान।
सानि तरफ़ु यिम-यिम छि परिवार।।
सेनापतियन हुंज़ करव ज़ान। वोनुय भगवानन...

8. अख तोह्य पानु बेयि भीष्म पितामह।
कृपार्चाय करण अश्वत्थामा।।
भूरिश्रवा विकरण महाबलवान। वोनुय भगवानन...

9. बेयि ति कुत्य चानि बापथ आमुत्य।
जुवचि आश त्योंगित लडनि द्रामुत्य।।
किस्मु किस्मु शस्त्र ह्यथ छि सजान। वोनुय भगवानन...

10. पाण्डव सेनापति भीमसेन।
सॉन्य सेना भीष्मजीयस आधीन।।
सॉन्य सेना ज़ेनि आसॉनी सान। वोनुय भगवानन...

11. पनुनि जायि प्रथ मोंचस प्यठ त्यार।
भीष्मजीयस अँद्य पॅक्य रूज़िथ होशियार।।
तसुंज़ रक्षा करान दिलोजान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. कौरव ज़िठ्य प्रतापी पितामह।
मनस दुर्योधनस दिवान उत्साह।।
शंख वायान ज़न सुह ग्रज़ान। वॊनुय भगवानन...

13. तमि पतु कुत्य शंख, नगारु तु डोल।
बजनि लॅग्य बाजि किस्मु किस्मु वोय होल।।
भयंकर ध्वनि लरज़्यव आसमान। वॊनुय भगवानन...

14. सफेद गुर्य जूर्य रथ शूभान।
अथ श्री कृष्ण तु अर्जुन विराजमान।।
दॊनवयव शंख वोय अथ दरमियान। वॊनुय भगवानन...

15. पञ्चजन्य शंख वोय श्री कृष्णन।
दीवदत शंख अर्ज़न दीवन।।
शंख पौण्ड्र छु भीम वायान। वॊनुय भगवानन...

16. युधिष्ठिर राज़ुन अनन्तविजय।
शंख वोय सारिवुय।।
ग्रज़ वॅछ़ तु लरज़्योव ज़मीन आसमान। वॊनुय भगवानन...

अर्ज़न दीव वनान

17. धृतराष्ट्र सुंद फौज महान।
वुछ्थि अर्ज़न दीव श्री कृष्ण वनान।।
रथ निनु दॊन फोजन दरमियान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. युद्ध भूमि मंज़ यिम छि आमुत्य।
दुरियोधनस साथ दिनि द्रामुत्य।।
कस-कस सुत्य युद्ध करुन छुय जान। वॊनुय भगवानन...

संजय वनान

19. श्री कृष्णन रथ चलोवुय।
आचार्यस तु भीष्मस निश वातनोवुय।।
बॅयि कौरवन हुंद्यन सॉथियन सान। वॊनुय भगवानन...

20. अर्ज़न दीवन वुछ च़ोवापॉरी।
बॉय बंध बांधव ऑशनाव सॉरी।।
पनुनिय कुटुम्ब छुय डेंशान। वॊनुय भगवानन...

21. अमि किन्य अर्ज़न सपुद हॉरान।
बंध बांधव वुछिथ गव परेशान।।
दोखु सान श्री कृष्णस छु वनान। वॊनुय भगवानन...

अर्ज़न दीव वनान

22. श्री कृष्ण युद्धची अभिलाशा वुछान।
म्यॉन्य अंग-अंग रूज़्य-रूज़्य गछ़ान।।
ऑस छुम हॊखान तन मे काँपान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

23. गाँडीव धनुष छुम अथु व्यसरान।
तोछ छेम दज़ान थर-थर छेम वोथान।।
इस्तादु रूज़िथ छुस नु हेकान। वोनुय भगवानन...

24. लक्ष्ण मे सॉरी उलटु बासान।
भॉय बंध मॉरिथ गछ्या कल्यान।।
स्वख तु विजय छुस नु बु यछ़ान। वोनुय भगवानन...

25. यिहुंदि खॉतरु छि असि राज यछ़ान।
तिम तैयार जंगस त्रॉतविथ अरमान।।
अथन क्यथ ह्यथ पनुनिय ज़ुव तु जान। वोनुय भगवानन...

26. गुरू पितामह पेत्र तु बॉय बंध।
माम बुडिबब पोत्र तु दर्दमन्द।।
कुटुम्ब सोरुय पनुनुय खानदान। वोनुय भगवानन...

27. त्रेयलोकी हुंदि राजु बापत।
मारख नु पृथ्वी हुंज़ छि कोस कथ।।
योदवय मे मॉरिव, मरुन गव स्यठा जान। वोनुय भगवानन...

28. धृतराष्ट्र सुंदि पोत्र सॉनी बॉय।
क्या गव योदवय तिम छि आतुतॉय।।
आतुतॉय मॉरिथ छि पाफ खसान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

29. क्या खुशी गछ़ि असि तिम मॉरिथ।
यिम नु पाफ तु पुण्य हेकन ज़ॉनिथ।।
लूबु सुत्य भ्रष्ट गॉमित तिम नादान। वॉनुय भगवानन...

30. कुल नाशुक दोष छिनु ज़ानान।
मित्र द्रोह किन्य छिनु पाप मानान।।
असि पज़ि सोचुन नाकारु तु जान। वॉनुय भगवानन...

31. सनातन कुल धर्म छु नष्ट सपदान।
कुल नाशु सुत्य स्यठा पाफ फॅलान।।
ग्वड़ु कुलची त्रय दूषित गछ़ान। वॉनुय भगवानन...

32. पतु वर्णुसँकर छि पॉदु सपदान।
वर्णुसँकर कुलस नर्कस छुनान।।
पेत्रन पेण्ड तु त्रेश छेनु वातान। वॉनुय भगवानन...

33. कुल धर्म नष्ट गछ़ित वातान नर्कस।
मॉकलन पायि छुनु तस मनुष्यस।।
पतु-वत आमुत्य छिय यी बोज़ान। वॉनुय भगवानन...

34. अस्त्र-शस्त्र रॉस छुस बु तैयार।
धृतराष्ट्र पॉत्र ह्यथ छि तलवार।।
अथ मरनस मंज़ बु ज़ानु कल्यान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

संजय वनान

35. शोक् हॉत अर्ज़न छु पछतावान।
अथ् मंज़ त्रोवुन तीर-कमान।।
रथस पत् कनि ब्यूठ वॉश त्रावान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 2

संजय वनान

1. व्याकुल अर्ज़नस शोकु मन वॉलिस।
नेत्र बॅरिथ अशि सुत्य छि खॉलिस।।
वनुनि लोग मधुसूधन भगवान।
वोनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

श्री भगवान वनान

2. क्व वक्तु क्याज़ि मोह गोय अर्ज़न।
यिछ़ कथ शूभि नु श्रेष्ठ पुरूषण।।
न स्वर्ग दिनु वोल न यश तु मान। वोनुय भगवानन...

3. हृदयिच यि कमज़ोरी मॅशराव।
नपुंसक्ता हरगिज़ मॅ प्राव।।
योद्ध खॉतरु कर तैयार पनुन पान। वोनुय भगवानन...

अर्जुन वनान

4. अर्ज़नदीव छु वनान श्री कृष्णस।
द्रोनाचार्यस तु भीष्म जीयस।।
यिमन विरुद किथु तुलु तीरकमान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

5. म्यानि खॉतर् छु यि स्यठा नामुमकिन।
गुरूजन मॉरिथ बनि नु भोग भूगुन।।
तमि खोतु बेछ्थि ख्योन छुय जान। वोनुय भगवानन...

6. योद्ध करुन या न करुन क्या छु जान।
कुस ज़ेनि कांह छुन् ती ज़ानान।।
यिम मॉरिथ छुस नु ज़ेनुन येछ्। वोनुय भगवानन...

7. स्वभाव म्योन बुज़दिली हेनु आमुत।
धर्मस मंज़ मोह पाद गोमुत।।
वनि क्या करु तोहि छुस प्रुछ्यान। वोनुय भगवानन...

8. च्ये शरण आमुत छुस शिष्य चोन।
शिक्षा दिम क्या छु कर्तव्य म्योन।।
कमि सादनायि सुत्य सपदि म्योन कल्याण। वोनुय भगवानन..

9. पृथ्वी हुंद राज-ताज प्रॉविथ।
देव लोकुक स्वामी ति बॅनिथ।।
शोकु च़ालनाह मे छिम प्राण होखान। वोनुय भगवानन...

10. संजय वनान छु हे राजन।
बु योद्ध करु नु वोन अर्ज़न दीवन।।
कृष्ण छुस असवुनि म्वखु वनान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

श्री भगवान वनान

11. छुख चु यिहुंदि बापथ शोक करान।
यिहुंद्य प्राण गॉमित या वॅन्य गछ़ान।।
यपॉर्य पण्डितन हिश कथु करान। वोनुय भगवानन...

12. तिछ़ कथ छेनु असि ऑस्य नु ज़ांह।
चु बु यिम राज़ु छुख हर कांह।।
ब्रोंठ कुन ति ऑस्य आसव तीज़ान। वोनुय भगवानन...

13. यि ज़ीव आत्मा तु दय प्रॉविथ।
लोकचार यावुन तु बुजर छॉविथ।।
बेयि नोव-नोव शरीर छि बदलावान। वोनुय भगवानन...

14. स्वख-द्वख दिनु वॉल्य यिम इन्द्रयी।
नाश्वान नु रोज़न वॉल्य विषयी।।
लिहाज़ा यि बर्दाशत करुन प्यवान। वोनुय भगवानन...

15. युस मनुष्य स्वख-दोख ज़ानि समान।
विषय इन्द्रीय छेनु व्याकुल करान।।
मुक्ति लायक सुय छु सपदान। वोनुय भगवानन...

16. असत चीज़ छुनु कॉयिम रोज़ान।
मगर सतुक ति छुनु आबाद आसान।।
तत्व ज्ञानी पुरूष यी छु ज़ानान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

17. अविनॉशी युस छुय चु ज़ानुन।
युस सॉरिसुय ज़गतस व्यॉपित आसान।।
आदि नाशस छुनु नाश सपदान। वॉनुय भगवानन...

18. आत्मा छेनु मारनु यिवान।
बस शरीरस योत मॉत सपदान।।
यॅम्य यि ज़ोन सु छु पज़्य पॉठ्य ज़ानान। वॉनुय भगवानन...

19. यि आत्मा छेनु कुनि काल ज़ेवान
अजन्मा सनातन अथ छि वनान।।
शरीर मरान आत्मा ज़िन्दय रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

20. यिथु पॉठ्य कांह पलव बदलावान।
प्रोण त्रॉविथ नॉव लागान।।
तिथु कनि आत्मा छि शरीर बदलान। वॉनुय भगवानन...

21. आत्मा न कांह हथियार ज़ट्टान।
न नार अथ ज़ॉलिथ हेकान।।
न पोन्य गालान न वाव हॉखुनावान। वॉनुय भगवानन...

22. यि आत्मा छि सदा हिवुय निर्विकार।
कॉयिम तु दॉयिम सारिकुय सार।।
यि ज़ॉनिथ शोक करुन छुनु शायान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

23. सॉरी ज़ीव ज़्यनु ब्रोंह खॅटिथ आसान।
मरनु पतु बेयि यिम खटनु यिवान।।
मंज़ कुनि कालस छि नॅन्य बासान। वोनुय भगवानन...

24. महापुरूष सु युस आत्मा ज़ानान।
तॉजबु सान अथ वुछान बेयि बोज़ान।।
कांह बूज़िथ ति छुनु अथ ज़ानान। वोनुय भगवानन...

26. सारिनुय शरीरन मंज़ यि आत्मा।
अमर छि यि यियि नु मारनु ज़ांह।।
बॅल्य गम करुन छुनु च़ै शूभान। वोनुय भगवानन...

27. च़ै पज़ी न ज़ांह खोफज़द सपदुन।
क्षेत्रीय धर्म पज़ी च़ै पालुन।।
धर्म युद्धस मंज़ छु चोन कल्याण। वोनुय भगवानन...

28. पॉन्य पानय च़ै मौकु अथि आव।
सर्वगुण दरवाज़ु मुच़रनु आव।।
पार्थ च़ु छुख स्यठा भाग्यवान। वोनुय भगवानन...

29. यि धर्म युद्ध अगर न च़ु येछ़क।
महा पापुक च़ु हिस्सुदार बनक।।
सु धर्म पनुन छुख च़ु मॅशरावान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

30. बदनाम गछ़ख लुख कथु करनय।
खोफ़ु सुत्य च़ोल सॉरी वनुनय।।
बदनॉमी खोतु मरनुय जान। वोनुय भगवानन...

31. यिम च़े छिय अज़ बोड वीर मानान।
तिम पगाह च़ेय कमज़ोर वनान।।
चानि बापथ छा यी शायान शान। वोनुय भगवानन...

32. युद्ध करान योदवय मरख स्वर्ग प्रावख।
ज़ेनख तु पृथ्वी हुंद राज्य छावख।।
युद्ध करनु सुत्य गछ़ि चोन कल्याण। वोनुय भगवानन...

33. हार-जीत, सोख--दोख, नफा-नोक्सान।
यिम सॉरी चीज़ ज़ान यकसान।।
युद्ध खॉतर गछ़ तैयार पाप मॅं ज़ान। वोनुय भगवानन...

34. ही अर्ज़न यि ज्ञान-योग वोनमय।
व्वन्य कर्मु-योगुक भेद भावय।।
यी बूज़िथ कर्मु बन्धन मोकलान। वोनुय भगवानन...

35. कर्मु योगुक ब्योल छुनु नाशवान।
फल रूप छुनु दोष बासान।।
यि ज़्यनु मरनुक खोफ दूर थावान। वोनुय भगवानन...

36. कर्मुयोग दॉरिथ बोध अकुय आसान।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

मगर चंचल स्वकॉमी मनुष्यन।।
तिहुंज़ बोध वारयाह किस्मु आसान। वॉनुय भगवानन...

37. यिम विष्यण यॉगन हेनु छि यिवान।
कर्मु फलुच आशा छिनु थावान।।
स्वर्गु खोतु थॉद छुनु कैंह बासान। वॉनुय भगवानन...

38. अमि किस्मुच कथ यिम छि करान।
हाव भावुच वॉणी बोलान।।
सोख भूगनुच तरकीब सोचान। वॉनुय भगवानन...

39. यिथु पॉठ्य यिहुंद मन भ्रम्योमुत।
विष्य यूगन मंज़ छु प्योमुत।।
भगवानस प्यठ पछ़ नु रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

40. वेद हर प्रकार व्याख्या छि करान।
त्रैन गुणन हुंद साधन बावान।।
योगी गुण दोष छि व्यछ़रावान। वॉनुय भगवानन...

41. यॅलि प्रथ तर्फु आसि पोनि परिपूर्ण।
तॅलि पानिच छॅनु ज़रूरत रोज़ान।।
ब्रह्म ज्ञान वेदन मंज़ बासान। वॉनुय भगवानन...

42. सिर्फ कर्म करनुक छु अधिकार।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

फल तम्युक मंगुन छुन इख्तियार।।
निष्काम कर्म चु रोज़ करान। वॉनुय भगवानन...

43. सिद्धि - असिद्धि चु मो थव ध्यान।
योगस मंज़ रोज़ कर्म करान।।
अॅथ्य क्रियायि छि सम-योग वनान। वॉनुय भगवानन...

44. सम-योगस मंज़ मन पनुन लगान।
सिर्फ बोध योगुच सहायता प्राव।।
फलुच आश वोलु दीन आसान। वॉनुय भगवानन...

45. सम बुद्धि वोल मनुष्य मुक्ति प्रावाण।
पाप-पुण्य दोनवय येती त्रावान।।
कर्मु बन्धनु पान मोकलावान। वॉनुय भगवानन...

46. सम बुद्धि वॉल्य पूर्ण ज्ञानुवान।
कर्मु फल ज़न्म बन्धन त्यागान।।
तिम निर्विकार परम पद प्रावान। वॉनुय भगवानन...

47. येलि मोह सागरस तार लबख।
येलि परिलोकुक भोग त्रावख।।
तेलि योगुच प्राप्ति सपदान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अर्ज़न दीव वनान

48. हे केशव, दृड़ बुद्धि वाल्यन पुरुष्यण।
प्राप्त गॉमित छि क्या लक्ष्ण।।
किथु वॉथान, बेहान तु क्या बोलान। वॉनुय भगवानन...

श्री भगवान वनान

49. भगवान वनान युस कामना त्रावान।
आत्माहस मंज़ सन्तुष्ट रोज़ान।।
दृड़ बुद्धि वोल तॅम्यसुय छि वनान। वॉनुय भगवानन...

50. दॉख प्रॉविथ यस नु शक आसान।
स्वख प्रॉविथ न खुशी बासान।।
रोग क्रोध तॅम्यसुय नष्ट सपदान। वॉनुय भगवानन...

51. युस मनुष्य सदा बेगर्ज़ रूज़िथ।
नाकारु या जान चीज़ प्रॉविथ।।
न-ख्वश न-गमगीन सपदान। वॉनुय भगवानन...

52. कछवु यिथु पॉठ्य अंग छु वटान।
दृड़ मनुष्य विषयन वश करान।।
इन्द्रियन विषयन निश ह्यवान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

53. इन्द्रियन हुंदि विषय भूगन वॉल्य।
तिम ख्वॉहिश निश आसान खॉल्य।।
बुद्धिमान मनुष्य तॅम्यसुय वनान। वॉनुय भगवानन...

54. इन्द्रियन हुंदि विषय सेठा बलवान।
बुद्धिमान मनुष्यन ति मन मोहान।।
नाजाइज़ कामि सुत्य छ्लुरावान। वॉनुय भगवानन...

55. विषयन हुंद चिन्तन युस करान।
मनस मंज़ कामनायि पॉदु सपदान।।
पूर्ण गछ़ि न तस क्रोध वोतलान। वॉनुय भगवानन...

56. युस साधक इन्द्रियि वश छु करान।
एकाग्र मनु सुत्य ध्यान धारान।।
स्थिर बुद्धिवोल तॅम्यसुय वनान। वॉनुय भगवानन...

57. क्रोधु सुत्य मूढ़ भाव उत्पन्न गछ़ान।
मूढ़ भाव स्मृति भ्रमरावान।।
भ्रमु सुत्य ज्ञानु शक्ति रावान। वॉनुय भगवानन...

58. अंत:कर्णन हुंज़ खुशी प्रॉविथ।
दॉखन निश दूर प्रसन्न मन थॉविथ।।
परमात्माहस मंज़ लीन सपदान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

59. युस मनुष्य नु मन, इन्द्रिय ज़ेनान।
सु ब्वद सुस तु भावना हीन आसान।।
तॅमिस छेनु शान्ति तु स्वख मेलान। वॊनुय भगवानन...

60. पॉनिस मंज़ नाव यिथु वाव निवान।
विषयण मंज़ इन्द्रिय डोलान।।
इन्द्रिय मन तु ब्वद छि हॉरान। वॊनुय भगवानन...

61. यिथुय पॉठ्य ब्वज़ हे महाबाहों।
इन्द्रिय तु विषय यॅम्य कॅर्य कोबू।।
तॅम्यसुंज़ ब्वद छि कॉयिम रोज़ान। वॊनुय भगवानन...

62. लूकन हुंद पोनि प्रथ तर्फु यिवान।
शान्त भाव सागरस मंज़ व्यपान।।
विघ्नु रॊस व्यूग यॊगस मंज़ श्रपान। वॊनुय भगवानन...

63. सारिनुय ज़ीवन यॊस रात बासान।
अॅथ्य रॉच़ योगी बेधार आसान।।
नाशवान स्वख काँछन वॉल्य शोंगान। वॊनुय भगवानन...

64. युस मनुष्य सारेय कामनायि त्यॉगिथ।
काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार त्रॉविथ।।
सु परमु स्वख तु शान्ति प्रावान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

65. हे अर्जुन, मनुष्य ब्रह्मस प्रावान।
योगी प्रॉविथ तु मोहित नु सपदान।।
सु परमानन्दस छु प्राप्त सपदान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 3

1. अर्जुन वनान, हे मधसूदन।
कर्मु ख्वतु ज्ञान यॅलि श्रेष्ठ आसान।।
भयंकर कर्मव कवु छुख मे लागान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. बूज़िथ यि रलु-मिलु वॉणी चॉनी।
मोहित ब्वद गछ़ान ज़न म्यॉनी।।
कमि कथि सुत्य सपदि म्योन कल्याण। वॉनुय भगवानन...

3. भगवान वनान दॉयि कस्मुच चेष्टा।
स्वखु-योग तु ज्ञानु-योगुच निष्टा।।
यि निष्टा छि कर्मु-योगु सुत्य बनान। वॉनुय भगवानन...

4. मनुष्य कर्म नु करनु सुती ज़ांह।
पॉदु गछ़ि नु ज्ञान-योगुच निष्टा।।
न कर्मु करनुय सिद्धि प्रावान। वॉनुय भगवानन...

5. बेशक मनुष्य कुनि ति विज़ि माह।
कर्म करनु रॉस ज़ांह रोज़ान छा।।
प्रकृति गुणव वश छु कर्म करान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. मूर्ख हठ कुत्य इन्द्रियन रोकान।
मनस मंज़ विषयन सोरान रोज़ान।।
पाखण्डी मकार तॅम्यसुय वनान। वॉनुय भगवानन...

7. हे अर्ज़ुन, यिम सारिनुय इन्द्रियन।
पज़ि मनु सुत्य वश कॅरिथ थावन।।
कर्मु योगुच तिम वथ छि लबान। वॉनुय भगवानन...

8. चु शास्त्र विदि कर्तव्य कर्म कर।
न करनु ख्वतु करनुय छु बेहतर।।
कर्मु रोस शरीर निर्वाह छुन सपदान। वॉनुय भगवानन...

9. यज्ञु बापथ कर्म करनु रोस ज़ाव।
मनुष्य बेयि कर्मु गंडनु आव।।
यज्ञ पूज़िथ कर्म रोज़ चु करान। वॉनुय भगवानन...

10. ब्रह्मा जीवन यज्ञु सुत्य प्रज्ञा व्वपदॉव।
हरिहरन यज्ञ करुन तिमन ज़िमु थोव।।
मन येछ़ा फल वॉनुन असि मेलान। वॉनुय भगवानन...

11. यज्ञु सुत्य वर दितुन दीवताहन।
तिम करान तिहुंज़ कामना पूर्ण।।
तॉह्य लुख प्रॉवि परमु कल्याण। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. यज्ञ सुत्य त्रप्त गॅछ़ित दीवतागण।
यछ़्थुय सॉरी भोग भूगन।।
दिनु रोस निनु वोल छु च़ूर आसान। वोनुय भगवानन...

13. यज्ञ पतु बचोमुत अन्न यिम करान।
मुक्ति सपदान पापु निश मोकलान।।
पानसुय ख्यथ रनन वाल्यन पाप ख्यवान। वोनुय भगवानन...

14. सॉरी ज़ीव अन्नु सुत्य गछ़ान उत्पन्न।
वर्षा प्यनु सुत्य अन्न व्वपदन।।
वर्षा यज्ञ करनु सुत्य प्यवान। वोनुय भगवानन...

15. यज्ञ कर्मव सुत्य गछ़ान उत्पन्न।
कर्म सॉरी वेद मंज़ नेरन।।
वेदन हुंद्य पॉठ्य कॅरिमित जान। वोनुय भगवानन...

16. युस मनुष्य परम्परा मॅशरावान।
कर्तव्य पनुनि छिनु वरतावान।।
सुय पनुनि ज़िन्दगी छु ज़ायि करान। वोनुय भगवानन...

17. आत्माहस मंज़ युस मगन रोज़ान।
आत्मायि सुत्य सन्तुष्ट रोज़ान।।
तॅमिस कांह कर्तव्य छुनु रोज़ान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. ज़नक आदि ज्ञॉनियव आसक्ति त्रॉव।
कर्म कॅरिथ परमु सिद्धि प्रॉव।।
अर्ज़न निष्काम कर्म ठीक ज़ान। वॉनुय भगवानन...

19. श्रेष्ठ मनुष्य छु युस कर्म करान।
बाकुय तॅथ्य वति प्यठ छि पकान।।
बोद्धिमान मनुष्य ती वरतावान। वॉनुय भगवानन...

20. त्रेन लोकन मंज़ मे ही अर्ज़न।
न कांह कर्तव्य न कुनिक बन्धन।।
तोति कर्मण मंज़ बु वरतावान। वॉनुय भगवानन...

21. पार्थ अमि किन्य छुस बु सावधान।
कर्म नय बु करु, वाति नॉकसान।।
तिक्याज़ि लुख म्यॉन्य वथ गारान। वॉनुय भगवानन...

22. अमी बापथ छुस बु कर्म करान।
युथ सॉरी मनुष्य नष्ट सपदान।।
अम्युक कारण छुस नु वनुन यछ़ान। वॉनुय भगवानन...

23. पनुनि गर्ज़ु खॉतरु अज्ञॉनी ज़न।
यॅमि प्रकॉरुय तिम छि कर्म करान।।
लूकन कुबुद्धि बेगर्ज़ वेदवान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. ज्ञॉनी शास्त्र विद्यायि कर्म करान।
अज्ञान्यन तिहुंदि कर्म छि डालान।।
तिमन छि पनुनि वति पकनावान। वॉनुय भगवानन...

25. प्रकृति गोणव छि यिम कर्म सपदान।
अज्ञॉनी अहंकार सुत्य ज़ानान।।
सु वनान सोरुय बुय छुस करान। वॉनुय भगवानन...

26. गुण विभाग नु कर्म विभाग यिम ज़ानान।
गुण पानय गुणन मंज़ वातनावान।।
ज्ञानुवान यी ज़ॉनिथ हेनु यिवान। वॉनुय भगवानन...

27. प्रकृति गुणन मंज़ गॉमुत्य मोहित।
कर्म अकल ज़ानन न असलीयत।।
ज़ानन वोल यिमन करि नु परेशान। वॉनुय भगवानन...

28. मे अर्न्तयॉमी वॉलिस दिथ मन।
सम्पूर्ण कर्म कर मे अर्पण।।
युद्ध कर त्रॉविथ आश अरमान।। वॉनुय भगवानन...

29. युस मनुष्य नुक्तुचीनी त्रॉविथ।
श्रद्धायि सान मत म्योन ज़ॉनिथ।।
सारिवुय कर्मव निश छु मोकलान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

30. म्यानि मति मूजूब यिम नु चलान।
तिम ज्ञान श्रेष्ठ ति नष्ट सपदान।।वॊनुय भगवानन...

31. सॉरी ज़ीव छि प्रकृति प्राप्त सपदान।
पनुनि स्वभावु वश कर्म करान।।
ज्ञॉनी ति प्रकृति अनुसार येछ़ान। वॊनुय भगवानन...

32. इन्द्रियन सुत्य राग-द्वेश लीश आसन।
मनुष्यन हुंदि यिम दोशवुय दुश्मन।।
कल्याणुच वति यिम विघ्न त्रावन। वॊनुय भगवानन...

33. बेयि सुंदि बेहतर धर्म निश बोज़ तम।
कम गोणुवोल पनुन धर्म छु उत्तम।।
पनुनिस धर्मस प्यठ मरुन जान। वॊनुय भगवानन...

34. अर्ज़न दीव प्रुछ़ान, हे क़ष्ण मे वन।
मनुष्य नु येछ़िथ यिमन बद कारन।।
पापन मंज़ क्याज़ि वलनु यिवान। वॊनुय भगवानन...

35. भगवान वनान, रजोगुण सुत्य उत्पन्न।
काम, क्रोध ज़ानुख बॅड्य दुश्मन।।
भोग भोगनु छिनु त्रप्त गछ़ान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

36. दुहि सुत्य अॅग्न तु मलु सुत्य दर्पन।
छ़ायि गछ़ान बॅयि मॉलु सपदन।।
काम, क्रोधु सुत्य ज्ञान खटनु यिवान। वॉनुय भगवानन...

37. हे अर्ज़न, अर्पूण अॅग्नस समान।
काम रूप अॅग्न छुनु त्रप्त सपदान।।
मनुष्य सुंदिस ज्ञानस ठानु रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

38. इन्द्रिय मनस तु बॉद्धि मंज़ ज़ान।
काम ज्ञानस मंज़ यिमन छु पावान।।
ज़ीव आत्माहस छु मोहित करान। वॉनुय भगवानन...

39. चु इन्द्रिय तु कोबू कॅरिथ मन।
ज्ञान - विज्ञानुक्य यिम छि दुश्मन।।
यि पॉपी काम मारुन ज़ोरु सान। वॉनुय भगवानन...

40. इन्द्रियि जिस्मु ख्वतु श्रेष्ठ तु बलवान।
इन्द्रिय ख्वतु मन बुद्धि श्रेष्ठ ज़ान।।
बोद्धि निश स्यठाह श्रेष्ठ आत्मा मान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 4

श्री भगवान वनान

1. यि अविनॉशी योग वॉन मे सिर्यस।
तॅम्य पनुनिस पुत्रस मनू जियस।।
मनूराज इक्षवाकूहस छु भावाण।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. यि परम्परा यिथुय पॉठ्य आयि चलान।
राज़ु ऋषण ति गॅयि सॉरुय ज़ान।।
पृथ्वी लोक मंज़ छेय गॉब गछ़ान। वॉनुय भगवानन...

3. चु म्योन टोठ छुख तवय वॉनमय।
नतु यि गुप्त थावुन लायक विषय।।
यि स्यठा उत्तम तु रहस्यमय ज्ञान। वॉनुय भगवानन...

4. अर्ज़न दीव छुस वनान सिर्यि छु प्रोन।
हाल हाल ज़न्म सपुदमुत चोन।।
तॉहि किथु पॉठ्य सिर्यस द्युतवु ज्ञान। वॉनुय भगवानन...

5. भगवान वनान, चे छेय न पता।
चेय मेय ज़न्म दॉर्य वारयाह।।
चु छुख अनज़ान बु छुस ज़ानान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. बु अविनॉशी अज़न्मात अमर।
सारिनुय ज़ीवन हुंद ईश्वर।।
योग मायायि सुत्य छुस प्रकट सपदान। वॉनुय भगवानन...

7. यॅलि यॅलि धर्मुच हॉनी सपदान।
अर्धमु सुत्य यॅलि ज़्यादुती गछ़ान।।
तॅलि बु साकार रूप ज़न्म दारान। वॉनुय भगवानन...

8. साधू मनुष्यन उद्धार तु पॉपियन नाश।
बॅयि प्रज़लवुनि धर्मुक गाश।।
युग-युग छुस अवतार बु दारान। वॉनुय भगवानन...

9. म्यानि ज़न्मुच तु कर्मुच हकीकत।
युस मनुष्य अमिची ज़ानि असलियत।।
सु शरीर त्यॉगिथ न ज़न्म दारान। वॉनुय भगवानन...

10. युस राग तु बॅयि क्रूध त्रॉविथ।
प्रेमु सान मॅय प्यठ पछ़ थॉविथ।।
ज्ञानु रूप मॅय प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

11. युस भक्त मे यॅमि प्रकारु बजान।
तमि प्रकारु बु तॅम्यसुंद ध्यान थवान।।
मनुष्य हर तरीकु म्यॉन्य वथ गारान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. यिम मनुष्य कर्मु फल छि यछ़ान।
तिम मनुष्य दीवताहन छि पूज़ान।।
तिमन कर्म सिद्धि जल्दुय छि मेलान। वॊनुय भगवानन...

13. शूद्र वेश्य क्षेत्रीय तु ब्रह्मण च़ोर वर्ण।
यिहुंद्य गुण तु कर्म बु रछान।।
यि सॉरुय कर्मु फलुच यछ़ा आसान। वॊनुय भगवानन...

14. न मे कर्मु फलुच यछ़ा आसान।
न छुस कर्मन मंज़ हेनु यिवान।।
युस यी ज़ानि कर्मु बन्धनु निश मॊकलान। वॊनुय भगवानन...

15. पथ कालि यिम मुक्ति ऑस्य यछ़ान।
तिम तमी प्रकॉर्य ऑस्य कर्म करान।।
बुज़र्गव यी कॊर ती रूद्य करान। वॊनुय भगवानन...

16. कर्म तु अकर्म कथ छि वनान।
अम्युक निर्णनय करुन छुनु आसान।।
यी सोंचान मोहित गॅयि बुद्धिमान। वॊनुय भगवानन...

17. यि कर्मु हकीकत च़े बु समझॉविथ।
जान पॉठ्य यथ चु हेकख ज़ॉनिथ।।
कर्मु बन्धन मंज़ मॊकलावख पान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. कर्मन तु अकर्मन हुंद रूप ज़ानुन।
विकर्मन हुंद स्वरूप ति प्रज़नावुन।।
कर्मन हुंज़ु गति गम्भीर आसान। वॊनुय भगवानन...

19. कर्मन अकर्मन मंज़ युस सोम आसान।
अकर्मन मंज़ कर्म यॅमिस छि बासान।।
सुय मनुष्य छु योगी तु कर्मुवान। वॊनुय भगवानन...

20. कामनायि रॊस युस कर्म करान।
ज्ञान रूप अॅग्नस मंज़ छु दज़ान।।
तॅमिसुय पंण्डित तु ज्ञॊनी वनान। वॊनुय भगवानन...

21. अन्त:कर्ण तु शरीर ज़ॊनिथ।
भोग भोगनि कामना त्रॊविथ।।
शरीर निष्कर्म छुन पाप प्रावान। वॊनुय भगवानन...

22. यछ़ुन रॊस यस यी पानुय मेलान।
तॅथ्य मंज़ सदा सन्तुष्ट रोज़ान।।
दुय तु हसद कॉंसि हुंद छुन थावान। वॊनुय भगवानन...

23. युस सोरुय कर्म कर्मु फल त्यॊगिथ।
संसारुक मोह तु आश बॊविथ।।
सु सोरुय कॅरिथ ति छुन कॅंह करान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. युस स्वख़ा तु दोख निश दूर रोज़ान।
असिद्धि तु सिद्धि ज़ानान यकसान।।
कर्मु बन्धुनव छु सु मुक्त सपदान। वोनुय भगवानन...

25. मोह ममता देह अभिमान त्रॉविथ।
ब्रह्म ज्ञानस मंज़ मन आसि दॉरिथ।।
यज्ञु वलज़ु सॉरी कर्म करान। वोनुय भगवानन...

26. यज्ञुच सामग्री ब्रह्मा आसान।
हवन करनुक व्रत ति ब्रह्म ज़ान।।
ब्रह्म कर्ता ब्रह्म यि अंगन प्रज़लान। वोनुय भगवानन...

27. आहुति रूप कृपा तु ब्रह्म ज़ान।
ब्रह्म कर्मस मंज़ दॅरिथ रोज़ान।।
प्राप्त स्यदवुन फल ति ब्रह्म ज़ान। वोनुय भगवानन...

28. कॅह यज्ञ रूप देवता पूज़ान।
कॅह योगी ब्रह्म रूप अॅग्नस हुमान।।
आत्मा रूप यज्ञुक हवन करान। वोनुय भगवानन...

29. कॅह इन्द्रिय सयम रूप अॅग्न ज़ालान।
दोयिम योगी शब्द आदि विषयन सान।।
इन्द्रीय रूपी अॅग्नस हुमान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

30. कैंह योगी इन्द्रियन हुंद्यन कर्मन।
बेयि प्राणन हुंज़ि क्रियायन।।
प्रकाशमान ब्रह्म रूप अॅग्नस हुमान। वोनुय भगवानन...

31. कैंह धन तु तप-ज़प यज्ञ करान।
कैंह सख अहिंसा वृत धारान।।
कैंह सत्संग तु ज्ञान यज्ञस करान। वोनुय भगवानन...

32. कैंह प्राण अप्राण वायु दोनवुय।
योगी अख अॅकिस मंज़ करान लय।।
कैंह प्राण प्राणन मंज़ हुमान। वोनुय भगवानन...

33. प्राणायाम करान येलि योगी ज़न।
प्राण अपान शहन हुंज़ गति रोकन।।
यज्ञु सुत्य पापन नाश करान। वोनुय भगवानन...

34. यज्ञ पतु बचोमुत अमृत अन्न।
भोज़ुन करनु वॉल्य योगी ज़न।।
सनातन ब्रह्मस छि प्राप्त सपदान। वोनुय भगवानन...

35. यिम लुख नु ज़ांह छि यज्ञ करान।
मनुष्य-लोक स्वख कति तिम प्रावान।।
परिलोक ति तिम छि रावुरावान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

36. वेद कुत्य प्रकार यॅज़स बखान।
मन इन्द्रिय नु शरीर करनुय यिवान।।
यि ज़ानन वॉल्य कर्मु बन्धन मोकलान। वोनुय भगवानन...

37. हे अर्ज़न ज्ञान यज्ञि ख्वतु जान।
ज्ञान यज्ञ सर्वश्रेष्ठ आसान।।
सॉरी कर्मु ज्ञानस मंज़ समाप्त सपदान। वोनुय भगवानन...

38. तत्व दर्शी ज्ञानन कर समान।
तिहुंज़ सेवा कॅरिथ सपदी ज़ान।।
उपदेश वनय क्या छु तत्व ज्ञान। वोनुय भगवानन...

39. पॉपियव ख्वतु पॉपी ऑसिथ।
ज्ञानु रूपी नावि सवार सपदिथ।।
पापु सागर मंज़ छु तार लबान। वोनुय भगवानन...

40. तिथुय पॉठ्य बोज़ हे अर्ज़न।
छु दज़्वुन नार ज़िनिस भस्म करान।
ज्ञान ऑग्नु सॉरी कुकर्म ज़ालन।। वोनुय भगवानन...

41. ज़गतस मंज़ ज्ञानस ह्यू बेशक।
पवित्र करन वोल कॅह न वुछख।।
मनुष्य यी ज्ञान कर्मु योग प्रावान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

42. श्रद्धावान जीतेन्द्रीय वुछान वुछान।
साधना कॅरिथ जल्द ज्ञान प्रावान।।
भक्त रूप शान्ति प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

43. कर्मु पूर्ण युस सारिनुय कर्मण।
शक त्रॉविथ करि विषयण अर्पण।।
सु मनुष्य कर्म बन्धन मॉकलान। वॉनुय भगवानन...

44. अज्ञॉनी श्रद्धायि रॉस शकी इन्सान।
छु पर्मार्थ निश ज़रूर गिरान।।
सु यॅमि लूक परिलूक नु स्वख प्रावान। वॉनुय भगवानन...

45. हे अर्ज़ुन मनस मंज़ मॅ संशय थाव।
ज्ञानचि तलवारि सुत्य यि च़ॅटिथ त्राव।।
तैयार गछ़ युद्ध कर त्राव अज्ञान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 5

अर्जुन वनान

1. कर्म सन्यास छि श्रेष्ठ मानान।
कर्म योगुक्य ति तॉरीफ करान।।
दोयव मंज़ कमि सुत्य गछि मे कल्याण।
वोनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. भगवान वनान कर्मु योग तु सन्यास।
कल्याण कॉरी दोशवुय फर्क छेनु खास।।
कर्मु योग साधना किन्य कर्म छि आसान। वोनुय भगवानन...

3. यस नु कॉसि हुंज़ दुय न कामना।
सु कर्मु योगी छु सन्यॉसी सदा।।
सु राग द्वेष बन्धन मुक्त आसान। वोनुय भगवानन...

4. ज्ञॉनी सन्यास तु कर्मु ह्युवुय मानान।
मूर्ख फल अम्युक ब्योन ब्योन ज़ानन।।
अमी मंज़ दोन हुंद फल छु प्रावान। वोनुय भगवानन...

5. ज्ञानु योग सुत्य यस परम धाम मेलान।
कर्मु योग सुत्य सुय प्राप्त सपदान।।
फल ह्युवुय ज़ानि युस छु ठीक रोज़ान। वोनुय भगवानन.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. कर्मु योग बगॉर सपदुन हॉसिल।
कर्म करनुक त्याग भाव स्यठाह मुश्किल।।
कर्मु योगी ब्रह्मस छु जल्द प्रावान। वॉनुय भगवानन...

7. यस जीतेन्द्रियस छि श्वद अन्त:कर्ण।
सॉरी ज़ीव पनुन आत्म रूप बासन।।
सु कर्मुयोगी छुन् लुप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

8. ज़ानन वोल योगी वुछान बोज़ान।
शाह ह्यवान व्वथान बेहान फेरान।।
यिथु पॉठ्य पम्पोश वॅथुर पानु छुन् अॅदरान। वॉनुय भगवानन.

9. कर्मुयोगी मोह ममता त्यॉगिथ।
इन्द्रियव सान शरीरुक लगाव त्रॉविथ।।
शुद्धि प्रावनु ख्वतु कर्म करान। वॉनुय भगवानन...

10. कर्मु योगी कर्मु फल त्यागान।
भगवत रूप शॉन्ति प्राप्त सपदान।।
सकॉमी मनुष्य फल येछ़ायि वलनु यिवान। वॉनुय भगवानन...

11. येमिस अन्त:कर्ण वश आसान।
सु सान्ख्य योगुक अभ्यास करान।।
न करन पानु कॅंह न करनावान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. सु मनु सुत्य सॉरी कर्म त्यॉगिथ।
नव द्वार वोल शरीर रूपी घर प्रॉविथ।।
आनन्दसान ब्रह्मस मंज़ दॉरिथ रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

13. भगवान न मनुष्यस कर्म करनावान।
न कर्म फलुय बॉगरावान।।
यि स्वभाव सुती सोरुय सपदान। वॉनुय भगवानन...

14 सर्वव्यॉपी ब्रह्म छुन प्रावान।
कॉसि हुंद पाप कर्म पानुनावान।।
ज्ञानस छु अज्ञानुक पर्दु खटान। वॉनुय भगवानन...

15 परमात्मा सुंद तत्व ज्ञान ज़ॉनिथ।
अज्ञानुच घटु नष्ट करनॉविथ।।
सु ज्ञान सिरिय ज़न दोहली प्रज़लान। वॉनुय भगवानन...

16 यिहुंद मन ब्वद रोज़ि लय सपदिथ।
लगातार समभाव थावव दॉरिथ।।
ज्ञानु सुत्य छि परमुगति प्रावान। वॉनुय भगवानन...

17. चाण्डाल आसि या ब्रह्मण विद्धवान।
हॅस्तिस तु हूनिस ह्युवुय मानान।।
ज्ञानुवानस छि सम दृष्टि आसान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. यिम समभाव मनस मंज़ थावान।
तिम ज़िन्दय सोरुय संसार ज़ेनान।।
छि परमब्रह्मस मंज़ दॉरिथ रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

19. टोठ चीज़ न प्रॉविथ ख्वश आसान।
अटोठ प्रॉविथ न गमगीन सपदान।।
तिम बुद्धिमान समभाव थॅविथ रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

20. संसॉरी विषयन मंज़ यिम नु बोडान।
आत्माहस मंज़ ध्यान रूज़िथ रोज़ान।।
ब्रह्म रूप परमआनन्दस छि प्रावान। वॉनुय भगवानन...

21. विषय भोग यिमन स्वख छु बासान।
यिमय दॉखुक्य कारण छि आसान।।
बुद्धिवान मनुष्य यिमन मंज़ न फसान। वॉनुय भगवानन...

22. यॅम्य शरीर नाशि ब्रोंठ आसि ज़ोरमुत।
काम क्रूध जोश ठण्डस कॉरमुत।।
सु योगी मनुष्य छु सुखी आसान। वॉनुय भगवानन...

23. अन्तरात्माहस मंज़ सुखी रोज़ान।
आत्माहस मंज़ बसान ज्ञानुवान।।
सु योगी शान्त परम पद प्रावान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. यिमन सॉरी पाप न संशय मिटेमित।
सारिनुय ज़ीवन हुंद रुत कोंछमुत।।
यिहुंद मन ब्रह्मस मंज़ दॅरिथ रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

25. मन वश कॅरिथ काम क्रूध त्यॉगिथ।
परमात्माहस साक्षात ज़ॉनिथ।।
त्र्वपॉर्य व्यॉपिथ परमुब्रह्मस डेंशान। वॉनुय भगवानन...

26. यिम मनुष्य विषय भोग न स्वरान।
नॅबरी तिमन छि त्रॉविथ छुनान।।
इन्द्रीय मन तु ब्वद तिमय ज़ेनान। वॉनुय भगवानन...

27. नेत्रन हुंज़ दृष्टि तिमन दर्मियान।
प्राण अपान वायु सम थावान।।
येछ़ा बेयि क्रूद्ध निश मॉकलि आसान।। वॉनुय भगवानन...

28. मुक्ति यज्ञ तप भक्ता बेयि ज़ान।
सारिनुय हुंद ईश्वर मैयि मान।।
ज़ीव ज़ॉच़ हुंद मित्र तु दयावान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 6

1. श्री कृष्ण अर्ज़न दीवस वनान।
फल येछ़नयि युस कर्म करान।।
तस योगी तु सन्यॉसी वनान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. ॲग्न त्यॉगिथ बनि नु सन्यॉसी।
न क्रिया करनु रॉस कर्मु योगी।।
संकल्प त्रॉविथ छु योगी बनान। वॉनुय भगवानन...

3. युस मनुष्य योग प्राप्ति छु यछ़ान।
निष्काम कर्म अम्युक हेतू आसान।।
संकल्पव रॉस सपदि कल्याण। वॉनुय भगवानन...

4. युस इन्द्रियन हुंद्य भोग त्रावान।
कर्मन हुंद संकल्प त्यागान।।
तस मनुष्यस योगारुड वनान। वॉनुय भगवानन...

5. पानय संसार सागरस तार लबान।
पनुन पान नर्कस मंज़ न त्रावान।।
मनुष्य पनुनुय मित्र तय शॉत्र आसान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. युस इन्द्रिय मन ह्यथ शरीर ज़ेनान।
सु ज़ीवात्मा पनुन मित्र आसान।।
यॅम्य नु कॅर वश सु पनुन शॉत्र आसान। वॉनुय भगवानन...

7. सर्द-गर्म, स्वख-दॉख, मान-अपमान।
हिवुय ज़ॉनिथ अन्त:कर्ण सान।।
तॅमिस ब्रह्मस रॉस न कॅह बासान। वॉनुय भगवानन...

8. युस अन्त:कर्ण ज्ञान विज्ञान दॉरिथ।
विकार रॉस इन्द्रिय कॉबू कॅरिथ।।
सु योगी सोन तु मेच़ ह्युवुय ज़ानान। वॉनुय भगवानन...

9. हमदर्द हसद दोस्त तु दुश्मन।
पनुन्यन व्वपरन धर्मियन तु पॉपियन।।
ह्युव ज़ानन वॉल्य श्रेष्ठ आसान। वॉनुय भगवानन...

10. इन्द्रियव सान मन शरीर ज़ीनिथ।
योगी कुनिय एकांतस रूज़िथ।।
लगातार दय सुंद ध्यान धाराण। वॉनुय भगवानन...

11. श्रूच़ि जायि धर्भु गासु त्रॉविथ।
मृग शाला बेयि वस्त्र वॅहरिथ।।
न ज़्यादु थॉद न यॅच़ कम आसान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. वश कॅरिथ इन्द्रिय आसनस प्यठ बिहिथ।
मन च़्यथ पनुन एकाग्र थॉविथ।।
श्वद्धि खॉतरुय योगु अभ्यास करान। वॉनुय भगवानन...

13. शरीर कलु गर्दन स्यॉद थॉविथ।
नज़र पनुनि नस्ति प्यठ जमॉविथ।।
ओरु योर कुनि तर्फन न वुछान। वॉनुय भगवानन...

14. ब्रह्मचर्य व्रत श्वदि मनु दॉरिथ।
निर्मल शान्त अन्त:कर्ण थॉविथ।।
मन टिकॉविथ म्योन ध्यान धाराण। वॉनुय भगवानन...

15. मन वश कॅरिथ योगी लगातार।
स्वरान ब्रह्म स्वरूपुक आकार।।
शान्ति ज़न परमानन्द प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

16. न ज़्यादु न बिल्कुल कम ख्यनु वॉल्य।
सदा हुशार न ज़्यादु शॉगन वॉल्य।।
तिमय योगी छि सिद्धि प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

17. यिहुंद आहार विहार सोम आसान।
कर्म करान शॉगान वॉथान होशियॉरी सान।।
दॉख नाश करुवुन योग फांफलावान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. वश कॉरमुत मन कामनायि रॉस।
जान पॉठ्य ब्रह्मस मंज़ दॉरिथ युस।।
भोग न भूगन वॉलिस वनान योगवान। वॉनुय भगवानन...

19. यिथु कॅन्य वावु रॉस जायि च़ोंग प्रज़लान।
च़ाँगिच रेह छेनु ओरु योरु डलान।।
योगी सुंद मन तिथुय शान्त आसान। वॉनुय भगवानन...

20. योगाभ्यास वश कॉरमुत मन।
यथ अवस्थायि मंज़ मोह सपदन।।
ब्रह्मस मंज़ संतुष्ट रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

21. निर्मल ब्वद परमानन्द प्रावान।
यथ अवस्थायि मंज़ अनुभव करान।।
ब्रह्म रूपस मंज़ दॉरिथ रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

22. परमब्रह्म ज़ानुन छु बॉड लाभ ज़ान।
अमि ख्वतु बॅयि कॅंह छुनु ज़ानान।।
कुनि दॉखु छिनु सपदान परेशान। वॉनुय भगवानन...

23. सॉरी संकल्प तु कामनायि त्यॉगिथ।
सॉरी इन्द्रिय प्रथ तर्फ़ु रूकिथ।।
ठीक पॉठ्य आसि अभ्यास करान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. वार् वारय कर अभ्यास हिम्मत थाव।
सबर् सान मन ब्रह्मस मंज़ दॅररावा।।
दिलस रॉस नु कॉंसि रोज़् शरण गछ़ान। वॉनुय भगवानन...

25. यि डंजि रोज़न वोल चंचल मन।
विषयन हुंद पंछी संसारस फेरान।।
ओर् योर् रोकुन कर ईश्वर ध्यान। वॉनुय भगवानन...

26. यिहुंदि मन पाप रॉस तु शान्त आसान।
रजोगुण गॉमुत समाप्त आसान।।
सु योगी ब्रह्मानन्द प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

27. पाप् रॉस योगी छु लगातार।
परमात्मा सर्व्यापक कर विच़ार।।
तॅलि परम्ब्रह्म छु प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

28. समभाव थॉविथ आत्मुवोल योगवान!
सारिनुय भवनन मंज़ आत्माहस वुछान।।
सॉरी ज़ीव आत्माहस मंज़ डेंशान। वॉनुय भगवानन...

29. आत्मा रूप मॅ वास्देवस डेंशान।
ज़ीवन सारिनुय मंज़ मॅ वुछान।।
सु मॅ निश दूरि न बॅयि तस दूर रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

30. युस मनुष्य सम भाव सान ऑसिथ।
सारिनुय मंज़ मे ब्रह्म रूप ज़ॉनिथ।।
मे वास्दीवस सुय पूज़ान। वॉनुय भगवानन...

31. युस सॉरी ज़ीव पनुनि टॉठ्य ज़ानान।
सारिनुय हुंद दोख स्वख ह्युव मानान।।
सु योगी परमश्रेष्ठ मानुन यिवान। वॉनुय भगवानन...

32. अर्ज़न वनान हे मधुसूदन।
युस योग समभाव सुय कोरवु वर्णन।।
चंचल मन किन्य दरुन छुम नु भासान। वॉनुय भगवानन...

33. यि मन म्योन चंचल स्वभाव वोल।
वावु मोछि मंज़ छुन रटुन मखौल।।
छु स्यठा दोर तु बेयि बलवान। वॉनुय भगवानन...

34. भगवान वनान हे महाबाहो।
बेशक मन कठिन करुन कोबू।।
यि वैराग्य तु अभ्यास वश छु सपदान। वॉनुय भगवानन...

35. यस न मन पनुन वश आसान।
सु मनुष्य छुन ज़ांह योग प्रावाण।।
यि साधनायि सुत्य कञि सपदान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

36. अर्ज़न वनान युस योगुच श्रद्धा थावान।
मगर अथ प्यठ छुनु दॅरिथ ह्यकान।।
अंत समयस छु अमि योगु डलान। वॉनुय भगवानन...

37. योगु अभ्यासु कॅरिथ न सिद्धि प्रावाण।
न भूगिथ श्रेष्ठतायि प्राप्त सपदान।।
ऑखरस कस गति छु प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

38. सु भगवत प्राप्ति अडुवति रोज़ान।
छु ऑबुक्य पॉठ्य छलि-छलि गछ़ान।।
सु भ्रष्ट गॅछ़िथ नष्ट सपदान। वॉनुय भगवानन...

39. हे कृष्ण म्योन संशय कर दूर।
तॉहि सिवा दॉयिम न कांह करि भरपूर।।
म्योन शक दूर करुन छुनु आसान। वॉनुय भगवानन...

40. भगवान वनान सु छुनु र्योगति प्रावाण।
यॅमि लूकु परिलूकु नाश सपदान।।
युस भगवत प्राप्ति म्वखु कर्म करान। वॉनुय भगवानन...

41. युस भ्रष्ठ मनुष्य स्वर्ग प्रावाण।
स्यठा कालस तति स्वख भूगान।।
पतु पुण्यवान घरि ज़न्म ह्यवान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

42. वैरागी मनुष्य छिनु स्वर्ग यछ़ान।
ज्ञानुवान सुंदि घरि ज़न्म दारान।।
त्युथ ज़न्म दारुन छुनु आसान। वॉनुय भगवानन...

43. पॅतिमि ज़न्मु ऑस्यमित रुत्य संस्कार।
योग प्राप्ति मंज़ यिवान दरकार।।
सिद्धि खॉतरु बेयि कठिन यत्न करान। वॉनुय भगवानन...

44. योग भ्रष्ट जान घरि ज़न्म ह्यवान।
पॅतिमि अभ्यासु धाराण भगवत ध्यान।।
वेद वनान सु कर्मु फल न त्रावान। वॉनुय भगवानन...

45. अभ्यासु वोल योगी यत्नु सुत्य।
ज़न्मन हुंद्यव संस्कारव सुत्य।।
पापव मॉकलिथ परमु गति प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

46. योगी तपस्ययव ख्वतु श्रेष्ठ आसान।
शास्त्र ज्ञानु ख्वतु यछ़ान।।
अर्ज़न चु छुख योगी तु ज्ञानुवान। वॉनुय भगवानन...

47. सारिनुय योगीयन मंज़ श्रद्धावान।
युस पज़ि मनु धाराण म्योन ध्यान।।
सु योगी छुस बु ज़्यादु श्रेष्ट मानान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 7

1. भगवान वनान हे पार्थ च़ु लोलु मानख।
योगस मंज़ मे आत्मु रूप ज़ानख।।
सॉरी ग्वण तु बल वनय थव ध्यान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. विज्ञान सान वनय सॉरी ज्ञान।
बाकुय संसारस मंज़ ज़ान।।
पतु ज़ानुन लायक छुनु कैंह रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

3. सासु बॅद्य मे प्रावणुक यत्न करान।
तिमव योगीयव मंज़ु मे कांह प्रावाण।।
असल रूप म्योन छु कांह कांह वुछान। वॉनुय भगवानन...

4. पोन्य, नार, वाव बॅयि ज़मीन आसमान।
मन, ब्वद अहं म्यॉन्य प्रकृति ज़ान।।
अथ ऑठि कुस्मु प्रकृच़ छि अपरा वनान। वॉनुय भगवानन...

5. दॉयमि सुत्य च़ु यिथु पॉठ्य ज़ान।
यि सोरूय कैंह छु प्रकृति पॉदु करान।।
मगर पॉदु तु नाश करनवोल मे ज़ान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. मे रोस दोयुम छुन् कांह कारण।
यिथु पॉठ्य मोख्तु मालि तॅरिथ पन।।
तिथय पॉठ्य यि ज़गत मे मंज़ ज़ान। वोनुय भगवानन...

7. सिर्यि चन्द्रमस मंज़ प्रकाश म्योनुय।
आकाशस मंज़ आवाज़ छुस बुय।।
वेदन मंज़ ओंकार मे ज़ान। वोनुय भगवानन...

8. ज़मीनि मंज़ सुगंध, नारस मंज़ गाश।
तपसुय मंज़ तपुक प्रकाश।।
सारिनुय ज़ीवन मंज़ मेय ज़ान। वोनुय भगवानन...

9. ज़ीव ज़ोंचन हुंद बीज़ बुय छुस।
तीज़ुवानन हुंद तीज़ बुय छुस।।
गाटुल्यन हुंद गाटुजार मेय ज़ान। वोनुय भगवानन...

10. हे अर्ज़न बेगर्ज़ तु कामनायि रोस।
ताक्तवरन हुंद बु ताक्त छुस।।
भूतन मंज़ मे धर्म रंग काम ज़ान। वोनुय भगवानन...

11. सतौगुण, रजौगुण तु तमौगुण।
यिहुंद्य भाव मेय निश पॉदु सपदन।।
यिम मे मंज़ तु यिमन मंज़ मेय ज़ान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. यिमव त्रेयव ग्वणव सॉरुय संसार।
बेयि ज़ीव ज़ॉच़ कोरमुत गिरिफ्तार।।
अविनाशस यिमव ग्वणव दूर ज़ान। वोनुय भगवानन...

13. त्रिगुण मायायि मंज़ गिरिफ्तार।
यिम म्योन नाव स्वरान आसन लगातार।।
तिम संसार सागरस तार लबान। वोनुय भगवानन...

15. अज्ञॉनी मायायि मंज़ गिरिफ्तार।
असुर स्वभाव वॉय नीच बदकार।।
यिम क्वकर्मी छिनु मे बजान। वोनुय भगवानन...

16. कॅंह स्वख येछी कॅंह दोख हरणु बापथ।
ज्ञॉनी कॅंह मे पूर ज़ाननु बापथ।।
छि भक्त मे च़ोर प्रकॉर्य बजान। वोनुय भगवानन...

17. यिमन मंज़ मे युस भक्ति भावु स्वरान।
सु ज्ञॉनी म्यॉन्य असलियत ज़ानान।।
बु तस टोठ सु मे टोठ आसान। वोनुय भगवानन...

18. अगर यिम छि सॉरी स्यठा जान।
मगर ज्ञानुवान म्योन स्वरूप आसान।।
तिक्याज़ि सु मे मंज़ दॅरिथ आसान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

19. अंत ज़न्मस येम्य प्रोव तत्व ज्ञान।
सोरुय त्रॉविथ मे वास्दीवस बजान।।
सु महात्मा बनुन छु मुश्किल आसान। वोनुय भगवानन...

20. यिम भूगन हुंज़ि कामनायि ज्ञान रावुरान।
पतु सु भाव व्रत तु नियम दारान।।
रंगु रंगु दीवताहन छि पूज़ान। वोनुय भगवानन...

21. युस स्वकाम मनुष्य श्रद्धायि सान।
दीवताहन छु पूज़ुन येछ़ान।।
तस ज़ीवस मंज़ छुस दॅररावान। वोनुय भगवानन...

22. युस मनुष्य येमिस दीवस पूज़ान।
तॅमिस क्युत तिय मुकरर आसान।।
सुय फल तॅमिस छु प्राप्त सपदान। वोनुय भगवानन...

23. बेकलन यी फल ऑखुर नाशवान।
दीवन पूज़न वॉल्य दीवन प्रावाण।।
मे भजन वॉल्य मेय प्राप्त सपदान। वोनुय भगवानन...

24. कम अकल मे अविनाशस छिनु ज़ानान।
ब्रह्मस मनुष्य सुंदि पॉठ्य वुछान।।
ज़्यनु मरण वोल अख इनसान मानान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

25. पतु योगुमायायि छुस खटान पान।
सारिनुय ननिवानु छुस नु बासान।।
अज्ञॉनी ज़्यनु मरण वोल मॅय ज़ानान। वॉनुय भगवानन...

26. पथ कालि यिम ऑस्य तु यिम छि वुनिक्यन।
ब्रोंठ कुन ति आसन वॉल्य छुसख ज़ानन।।
मॅ श्रद्धायि रॉस छुनु कांह रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

27. यिम संसारुक स्वख छि यॅछ़ान।
तिम दॉखु रूप मोह ज़ालस फंसान।।
तिम अज्ञानस छि प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

28. यिम निष्काम तु श्रेष्ठ कर्म करान।
तिहुंद्य पाप सॉरी नष्ट सपदान।।
राग द्वेश मोह त्रॉविथ मॅ बजान। वॉनुय भगवानन...

29. शरण गछ़िथ यिम मॅय छि स्वरान।
बुजरुक, मनुक भय छि मुक्त कान।।
तिम ब्रह्म, आत्मुज्ञान तु कर्म ज़ानान। वॉनुय भगवानन...

30. आदि भूत, आदि दीव, आदि यज्ञ सान।
युस मनुष्य म्यॉनी रूप ज़ानान।।
अंत समयस वॉतिथ मॅय प्रावाण।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 8

1. अर्ज़न वनान छु हे पुरूषोत्तम।
ब्रह्म क्या, कर्म क्या, क्या छु आध्यात्म।।
आदि दीव आदि भूत कस छि वनान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. हे कृष्ण, आदि योगी कुस आसान।
शरीरस मंज़ किथु पॉठ्य रोज़ान।।
अंत समयस चे किथु पॉठ्य ज़ानान। वॉनुय भगवानन...

3. भगवान वनान, परमाक्षर ब्रह्म ज़ान।
अध्यात्म पनुन आत्म स्वरूप मान।।
ज़ीव भाव पॉदु करवुन त्याग छु कर्म आसान। वॉनुय भगवानन.

4. पॉदु नु नाश सपदुन वोल आदि भूत मान।
ब्रह्म रूप पोरुषस आदि दीव वनान।।
शरीरस मंज़ वासुदीव आदि यज्ञ ज़ान। वॉनुय भगवानन...

5. अन्त समयस युस मे स्वरान।
नाशवान शरीर त्यॉगिथ छि गछ़ान।।
म्यॉनिस स्वरूपस छि प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. हे अर्ज़न युस मनुष्य अन्त समयस।
यी सोंचान-सोंचान त्यागन शरीरस।।
सु तिय प्रावि यि तस ख्याल आसान। वॉनुय भगवानन...

7. हे अर्ज़न, च़ु कर सदा म्यॉन्य सुमरन।
युद्ध कर्म त़ु युद्ध कर मॅय अर्पण।।
मॅ प्रावख कर लगातार म्योन ध्यान। वॉनुय भगवानन...

8. युस लगातार अभ्यास रूप योगवान।
ओऱु योऱु न गछ़ान एकाग्र चित सान।।
ध्यान कॅरिथ परम ब्रह्मस स्वरान। वॉनुय भगवानन...

9. युस सर्व़ु व्यॉपी, आदि अन्त रॉसतिस।
अविलस्त सारिऩुय रछन वॉलिस।।
आकाश रूपी परम ब्रह्मस स्वरान। वॉनुय भगवानन...

10. वेदन ज़ानन वॉल्य यिम विद्धवान।
सत चित आनन्द पद अविनॉशी वनान।।
सु परम पद वनय छ़ोचऱु सान। वॉनुय भगवानन...

11. इन्द्रियन ह़ुंदि दरवाज़ु रुकॉविथ।
मन हृदयस मंज़ डंजि थॉविथ।।
ज़ीलमति मन मस्त कस प्राण दारान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. योग मंज़ धारनायि दॅरिथ रोज़ान।
ओंकार अख अक्षर रूप ब्रह्म स्वरान।।
शरीर त्रॉविथ परम गति प्रावाण। वॊनुय भगवानन...

13. हे अर्ज़न, युस पज़ि मनु लगातार।
मॅ परम ब्रह्मस स्वरान बारम्बार।।
सु योगी सहल पॉठ्य मॅय प्रावाण। वॊनुय भगवानन...

14. सिद्धि प्राप्त महात्मा मॅ प्रावाण।
यि दॊख रूपी घर छु नाशवान।।
पुनर्ज़न्मस छिनु प्राप्त सपदान। वॊनुय भगवानन...

15. यिम सॉरी लुख ब्रह्म लोकस ताम।
छुख युन गछुन मौजूद रोज़ान।।
युस मॅ प्राप्त गव सु छुनु ज़न्म दारान। वॊनुय भगवानन...

16. ब्रह्मा सुंद दॊह रात कूत आसान।
अख अख सास युग दॊनवय ज़ान।।
यॅमिच असलियत योगी ज़ानान। वॊनुय भगवानन...

17. ब्रह्मा सुंद यॅलि दॊह शुरू गछ़ान।
च़राच़र ज़ीव सॉरी नॉदु पॉदु सपदान।।
रात यिनस सुत्य शून्य लय सपदान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. तिथुय पॉठ्य हे पार्थ यी चक्कर चलान।
दॊहस ज़ीव ज़ात पॉदु सपदान।।
प्रकृच़ वश रॉच़ शून्य लय सपदान। वॊनुय भगवानन...

19. अव्यक्त भाव यॅच़ योर हे अर्ज़न।
ब्याख अव्यक्त पूर्ण ब्रह्म सनातन।।
नाश गॅछ्थि छिनु नष्ट सपदान। वॊनुय भगवानन...

20. यस अव्यक्त अक्षर वननु यिवान।
सु अव्यक्त भाव म्योन परम धाम ज़ान।।
सु प्रॉविथ मनुष्य छुनु पॊत फेरान। वॊनुय भगवानन...

21. यस ब्रह्मस मंज़ सॉरी ज़ीव रोज़ान।
बॅयि यि सोरुय ज़गत परिपूर्ण।।
सु भक्ति भावु सुत्य छु प्राप्त सपदान। वॊनुय भगवानन...

22. शरीर त्यॉगिथ यमि वति योगी ज़न।
वापस न फेरनुच गति प्रावण।।
बॅयि यॅमि वति छि वापस यिवान। वॊनुय भगवानन...

23. प्रज़लवुन अॅग्न तु दुहिक देवता।
छु यथ वति ज़न पछुक देवता।।
बॅयि शॅ र्यथ उतरायनुक्य आसान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. मॉरिथ अमि वति गछ़न वॉल्य योगी।
तिमन देवताहन मद्दु सुती।।
छि परमुब्रह्मस प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

25. घट्ट पछ राथ शॅ र्‌यथ दक्षायन।
बॅयि दॉह यथ वति देवता आसन।।
मॅरिथ अमि वति च़न्द्रलोक प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

26. यिम स्वकाम कर्म वॉल्य योगीज़न।
स्वर्गस मंज़ श्वभ फल प्रावण।।
फल भूगिथ बॅयि वापस यिवान। वॉनुय भगवानन...

27. दॉयि प्रकॉर्य वथ यॅमि ज़गतुच ज़ान।
शुक्ल पक्ष तु कृष्णु पक्ष देवयान पेत्रयान।।
यिम वति सनातन मानु यिवान। वॉनुय भगवानन...

28. यिम दॉनवुय वतु तत्व सान ज़ानान।
तिम योगी छिनु मोहित रपदान।।
मे प्रावणु पछ़ि छि कर्म करान। वॉनुय भगवानन...

29. युस योगी मनुष्य यि राज़ ज़ानान।
वेद परुन तप करुन ज़प यज्ञ दान।।
पुण्य पद प्रॉविथ परमु पद प्रावाण।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 9

1. भगवान वनान च़ु दुय रॉस भक्ति ज़ान।
वनय च़े परमु गुप्त ज्ञान विज्ञान।।
यि ज़ॉनिथ दोखु सागर मोकलान।
वोनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. यि ज्ञान सारिनुय ज्ञानन हुंद राज़ ज़ानुन।
स्यठाह उत्तम प्रकुठ फल दिवुवुन।।
बेयि साधनायि ख्वतु स्यठाह आसान। वोनुय भगवानन...

3. हे अर्ज़न, श्रद्धायि रॉस इनसान।
मे ज़ांह ति छुनु प्राप्त सपदान।।
संसार च़क्रस छु ह्यनु यिवान। वोनुय भगवानन...

4. निराकार ब्रह्म ज़गत परिपूर्ण।
संकल्प किन्य छिनु प्राप्त सपदन।।
बु असली तिमन छुस मंज़ न आसान। वोनुय भगवानन...

5. यि म्यॉन्य ईश्वरय योगु शक्ति ज़ान।
बेयि ज़ीवन पॉदु तु पालन करान।।
बु तिमन मंज़ न दॉरिथ रोज़ान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. आकाश पॉदु सपदन वोल हवा।
नित्य आकाशस मंज़ रोज़न सदा।।
मेति संकल्प पॉदु ज़ीव मेय मंज़ आसान। वोनुय भगवानन...

7. कल्प किस अन्तस सॉरुय ज़ीव ज़ात।
म्यानि प्रकृच़ सपदान प्राप्त।।
कल्प किस आदिस मंज़ छुसख बेयि रचान। वोनुय भगवानन.

8. प्रकृच़ हुंद स्वभाव कॅरिथ सुमरण।
परतन्त्र गॉमुच़ सारिनुय ज़ीवन।।
कर्मव अनुसार छुसख पॉदु करान। वोनुय भगवानन...

9. अर्ज़न, यिम कर्म बे लगाव आसान।
यिम सॉरी पॉन्य पानय छि सपदान।।
मे परमब्रह्म छुन कर्म गंडान। वोनुय भगवानन...

10. म्यानि संहारु सुत्य म्यॉनी प्रकृत।
च़राच़र सान रचान सोरुय ज़गत।।
अमि सुत्य यि संसार चक्र चलान। वोनुय भगवानन...

11. परम भाव न ज़ानन वॉल्य मूर्ख।
मनुष्य रूप किन्य मे ब्रह्मस करान शक।।
मे परमेश्वरस छि तुच्छ ज़ानान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. बु पनुनि मायायि मनुष्य रूप दारान।
सॉरिसुय ज़गतस उद्धार करान।।
मूर्ख मे सादारण मनुष्य मानान। वोनुय भगवानन...

13. फज़ूल आश थॉविथ कर्म करान।
चंचल मन वॉल्य अंज़ॉनी आसान।।
राक्षस तु आसुरी प्रकृत धाराण। वोनुय भगवानन...

14. दीव प्रकृच वॉल्य महात्मा जन।
सारिनुय ज़ीवन हुंदि मूल कारण।।
मे नाश रोसतुय सदा स्वरान। वोनुय भगवानन...

15. म्यॉन्य भक्त मे लगातार स्वरान।
प्रणाम छिम बार बार करान।।
छि सदा म्योनुय ध्यान धाराण। वोनुय भगवानन...

16. कैंह छिम निराकार रूप स्वरान।
कैंह योगी ज्ञान यज्ञ सुत्य पूज़ान।।
कॉत्याह मे ब्योन ब्योन भावु ज़पान। वोनुय भगवानन...

17. यज्ञ बुय, अॅग्न बुय, अॅग्नु वत्र बुय।
औषदि, अॅग्न, ग्यव तु मंत्र बुय।।
कर्मु वोल बुय, हवनुच क्रिया मे ज़ान। वोनुय भगवानन.

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. सारेय ज़गतुक छुस बु धाता।
कर्मु फल दिनु वोल पिता तु माता।।
पवित्र ओंकार तु वेद मेय ज़ान। वोनुय भगवानन...

19. परम धाम स्वामी तु रछन वोल।
सारिनुय हुंद जान तु नाकारु वुछन वोल।।
शरणागतन हुंद निवास स्थान। वोनुय भगवानन...

20. सारिनुय हुंद छुस रुत कांछान।
उत्पति तु प्रलयस ह्युवुय ज़ानान।।
अविनॉशी कारण तु बेयि निधान। वोनुय भगवानन...

21. बु छुस सिरियस रूपु किन्य गर्मन।
ओब्र बॅनिथ बुय रूद वालान।।
ज़िन्दगी-मोत, सत-असत मेय ज़ान। वोनुय भगवानन...

22. यिम वेद वॅन्यमित सुकाम कर्म करान।
तिम यज्ञ कॅरिथ स्वर्ग प्रावाण।।
पुण्य कर्मव स्वर्गुक स्वख भूगान। वोनुय भगवानन...

23. स्वर्ग भूगिथ येलि फल मोकलान।
तिम मनुष्य बेयि मृतलोकस प्रावाण।।
यिनु गछ्नस बेयि प्राप्त सपदान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. यिम भक्त मे निष्काम भावु स्वरान।
छि लगातार म्यॉन ध्यान धराण।।
तिहुंदि योगुच रक्षा बु पानय करान। वॉनुय भगवानन...

25. यिम श्रद्धावान दीवताहन पूज़ान।
हे अर्ज़न स्व पूज़ा ति मे वातान।।
मगर यि विद्धि पूर्वक छुनु आसान। वॉनुय भगवानन...

26. यज्ञन हुंद स्वामी तु भुक्ता मेय ज़ान।
अज्ञॉनी यि असलियत छिनु ज़ानान।।
तवय पुनर्ज़नमस छि प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

27. दीवन पूज़न वॉल्य दीवताहन प्रावाण।
पेत्रन तु भूतन पूज़िथ तिमनुय प्रावाण।।
मे पूज़न वॉल्य यिनु गछ़नु निश मोकलान। वॉनुय भगवानन..

28. यिम भक्त मे फल फूल करान अर्पण।
निष्काम भावु यी ब्रॉठ कनि थावन।।
बु सगुण रूप दॉरिथ ख्यवान लोलु सान। वॉनुय भगवानन..

29. हे अर्ज़न, चु युस कांह ति कर्म करान।
तप हवन करान तु दान दिवान।।
यि सोरुय मेय अर्पण कर प्रेमु सान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

30. यॅलि सॉरी कर्म मॅय पुशरावख।
सन्यास योग अशुभ शुभ फल मॉकलख।।
पानु कर्मु बन्धन मॉकलाव पान। वॉनुय भगवानन...

31. सारिनुय ज़ीवन मंज़ बु ह्युवुय रोज़ान।
कांह न मे टोठ या अटोठ आसान।।
मगर पनुन्यन भक्तन बु नोन भासान। वॉनुय भगवानन...

32. युस पॉपी पाप त्रॉविथ घारि ध्यान।
सु निश्चय साधू छुय बनान।।
तस ब्रह्मस रोस कॅह नु भासान। वॉनुय भगवानन...

33. सु जल्दुय धर्मात्मा छु बनान।
आदि परम शान्ति छु प्राप्त सपदान।।
भक्ति म्यॉन्य छिनु नष्ट गछ़ान। वॉनुय भगवानन...

34. वेश्य, शुद्र बॅयि चाण्डाल सान।
युस कांहछ़ाह शरण छुम गछ़ान।।
सु बेशक परमुगति छु प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

35. क्या वनुन भखुत्यन पुण्यवान ब्रह्मनन।
शरण गॅछ़िथ मॅय कुन थॅविव सदा मन।।
मनुष्य तन प्रॉविथ मॅय रोज़ स्वरान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

36. मे दिथ मन, भक्ति सान कर पूज़ा।
प्रणाम कर, मेय मंज़ लाग आत्मा।।
पान पुशराव मे, मेय कुन थाव ध्यान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 10

1. भगवान अर्ज़नस वनान, थाव कन।
वनय सीर तु प्रभाव वॉल्य वचन।।
यॅमि सुत्य भक्तिस सपदि कल्याण।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. बु यॅमि मायायि छुस प्रकट सपदान।
महर्षि तु दीवताह छिनु ज़ानान।।
ऋषेन तु दीवन हुंद आदि कारण ज़ान। वॉनुय भगवानन...

3. ज़्यनु रॉस, आदि रॉस, युस मे ज़ानान।
सारिनुय हुंद ईश्वर मे मानान।।
सु ज्ञानुवान पापव निश मोकलान। वॉनुय भगवानन...

4. यत्न करनुच शक्ति तु ज्ञान प्रावाण।
क्षमा पज़र इन्द्रिय मन वश थावान।।
दॉख स्वख, उत्पत्ति प्रलय समान। वॉनुय भगवानन...

5. अहिन्सा, संतोष तु खोफ खूनी।
सबर, तप, दान, यश तु बदनॉमी।।
नाना प्रकारिय भाव मे निश व्वपदान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. सत महऋषि तु च़ोर अमि ब्रोंह।
सनकादिक तु च़ोदाह छि यिम।।
यि संसारुच प्रज़ा तिहुंज़ुय ज़ान। वोनुय भगवानन...

7. युस ज़ानि मे ईश्वर सुंज़ विभूति।
बेयि त्वतायि सान म्यॉन्य योग शक्ति।।
सुय बेशक छु भक्ति योग प्रावाण। वोनुय भगवानन...

8. म्यानि कारणु ज़गत पॉदु सपदान।
सोरुय ज़गत म्यॉन्य चिन्ता करान।।
श्रद्धायि लगातार मे बजान। वोनुय भगवानन...

9. मे मंज़ लागतार मन लगावन वॉल्य।
पनुन्य प्राण मे अर्पण करन वॉल्य।।
भक्त म्यॉन्य भक्ति हुंदि वर्णन करान। वोनुय भगवानन...

10. म्यानि प्रभावुक तु ग्वणन हुंद कीतन।
लगातार कॅरिथ संतुष्ट सपदन।।
मे वासदीवस मंज़ वास करान। वोनुय भगवानन...

11. यिम लगातार म्योन ध्यान धारान।
तिमन छुस बु तिथुय ज्ञान दिवान।।
ज्ञान योगी ति मेय प्राप्त सपदान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. बु अनुग्रह कॅरिथ तिहुंदि अन्त:करण।
ज्ञानु रूप गाशु छुस गाशरावन।।
अज्ञानुच घट्ट बु दूर छुस करान। वॊनुय भगवानन...

13. अर्ज़न वनान, परमब्रह्म तु परमधाम च़ुय।
सॉरी सनातन पुरूष मानान छिय।।
दीवन हुंद आदि दीव छिय च़ेय वनान। वॊनुय भगवानन...

14. अजन्मा सर्व व्यापक वनान छिय।
देवर्षि नारद दीव तु व्यास जी।।
तॊहि पानु म्यॉनी पछि़ छिवु वनान। वॊनुय भगवानन...

15. हे केशव यि कॅंहछ़ाह छिवु वनान।
ति सोरुय छुस बु पॊज़ मानान।।
चानि लीलायि दानव तु दीव ज़ानान। वॊनुय भगवानन...

16. च़ु ज़ीवन पॉदु करनवोल ब्रह्म।
ज़गत स्वामी, दीवन हुंद दीव, पुरूषोत्तम।।
तॊहि पानुय पानस ज़ानान। वॊनुय भगवानन...

17. योगेश, कमि प्रकॉर्य धारु ध्यान।
बु किथु पॉठ्य ज़ॉनिथ हेमु, हे भगवान।।
कमि नावु रोज़ु चॉनी सुमरण करान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. हे जनार्दन, पनुनी योगु शक्ति।
विस्तार सान वॅनिथ सॉरुय विभूति।।
अमृत वचनव छुस बु तृप्तान। वॉनुय भगवानन...

19. श्री भगवान अर्जऩ दीवस वनान।
बजि बजि विभूति वनय थाव ध्यान।।
अंत रॉस्तिस छुऩ विस्तार सपदान। वॉनुय भगवानन...

20. बु सारिनुय हृदयस मंज़ रोज़ान।
सारिनुय हुंद आत्म मे ज़ान।।
ज़ीवन हुंद आदि, अन्त बॅयि वर्तमान। वॉनुय भगवानन...

21. बाहन आदित्य पॉत्रन मंज़ विष्णु।
जुच़ वोल सिर्यि तु वायु तीज़ ज़ान।।
नक्षत्रण हुंद आदिपति च़न्द्रम ज़ान। वॉनुय भगवानन...

22. दीवन मंज़ इन्द्र इन्द्रियन मंज़ मन।
वीदन मंज़ सामवेद रूप आसन।।
ज़ीवन मंज़ ज़िन्दगॉनी मॅय ज़ान। वॉनुय भगवानन...

23. बु शंकर छुस काहन रूद्रण मंज़।
बु बसान मंज़ ॲग्न सुमेर पर्वतन मंज़।।
यक्षन मंज़ धनुक स्वामी कुबैर मॅय ज़ान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. पुरोहितन हुंद ज़्यूठ बृहस्पति मे ज़ान।
सेनापतियन मंज़ सकन्द बलवान।।
पाँ जॉयन मंज़ बु समुद्र महान। वॉनुय भगवानन...

25. ऋषण मंज़ भृगू ज़प यज्ञ हवनन मंज़।
अख अक्षर ओंकार अक्षरन मंज़।।
कुल्यन मंज़ मे पीपल कुल ज़ान। वॉनुय भगवानन...

26. बु अमृत सान पॉदु गुर उच्चश्रवा।
इरावत नाव ह्यॉस बु श्रेष्ठ स्यठाह।।
मनुष्यन मंज़ आसनवोल राज़ु मे ज़ान। वॉनुय भगवानन...

27. हथियारन मंज़ वज्र तु गॉवन मंज़ कामधीन।
सन्तान उत्पत्ति करन बुय कामदीव।।
सर्पण हुंद मे राज़ु वासुकी ज़ान। वॉनुय भगवानन...

28. नागन मंज़ बु अनन्त, जल ज़ीवन वरुण देवता।
पेतृण मंज़ मे नाव आरियम्मा।।
हुकुम दिनु वाल्यन मंज़ यमराज़ु ज़ान। वॉनुय भगवानन...

29. द्वैत्यन मंज़ प्रहलाद ग्रंजन मंज़ समय ज़ान।
पुश्येन मंज़ बु पादर सुह बलवान।।
जानावरन मंज़ मे गरुडजी ज़ान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

30. पवित्र कर्म वाल्सन मंज़ मे हतवा ज़ान।
शस्त्र दारियन मंज़ श्री राम भगवान।।
नदियन मंज़ भागीरथी गंगा मे ज़ान। वॊनुय भगवानन...

31. श्रेष्ठन हुंद आदि, अंत बेयि दरमियान।
विद्यायन मंज़ मे ब्रह्म विद्या ज़ान।।
बहस करन वाल्यन हुंद वाद मे ज़ान। वॊनुय भगवानन...

32. अक्षरन मंज़ ॐ, काल सुंद महाकाल।
सारिनुय उधार करन वोल तु रक्षपाल।।
च्वापॉर्य म्वखु वोल विराट मेय ज़ान। वॊनुय भगवानन...

33. नाश करनवोल मोत बुय आसन।
पॉदु करनुक ति बुय कारण।।
कृति, स्मृति तु क्षमा मेय ज़ान। वॊनुय भगवानन...

34. कीर्तन बाजेन श्रुत्यन मंज़ ब्रहस्पत मान।
मन्त्रन मंज़ गायत्री परम धाम।।
रेतन मंज़ माघ, मौसमन मंज़ बसन्त ज़ान। वॊनुय भगवानन.

35. छ़ल करन वाल्यन अन्दर ज़ार।
पछ़ करन वाल्यन मंज़ एतिबार।।
ज़ेनन वाल्यन मंज़ मे जीत ज़ान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

36. यारन मंज़ बु चोन मित्र वासदीव।
पाण्डवन मंज़ बु अर्ज़न दीव।।
मुनियन मंज़ व्यास, कवियन मंज़ शुक्र ज़ान। वॉनुय भगवानन.

37. जीत येछ़न वाल्यन हुंज़ बु नीति।
सीर रछन वाल्यन हुंज़ खामोशी।।
ज्ञानुवानन हुंद छुस बु तत्वु ज्ञान। वॉनुय भगवानन...

38. हे अर्ज़न, सारिनुय ज़ीवन हुंज़ उत्पत्ति।
अम्युक मूल कारण छुस बु आदिपति।।
मे सिवा च़र अच़र न आसान। वॉनुय भगवानन...

39. म्यॉन्य दिव्यशक्ति छि अपर्मपार।
म्यान्यन विभूतियन छुन विस्तार।।
वॉनमय यि स्यठाह छ़ोटपॉठ्य ज़ान। वॉनुय भगवानन...

40. युस युस चीज़ शक्तिमान तु शूभिमान।
ऐश्वर्यसान, यशवान छि भासान।।
सुय सुय म्यानि तीज़ुच अख ज़ुच़ ज़ान। वॉनुय भगवानन...

41. हे अर्ज़न, यॅच़ ज़ानुन क्या प्रयोजन।
यि ज़गत म्यानि सुती छु परिपूर्ण।।
यि म्यानि योगु शक्ति हुंज़ रछ़ा ज़ान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

अध्याय - 11

1. अर्ज़न दीव वनान, तुहुंदि अनुग्रह सुत्य।
गुप्त ज्ञान आध्यात्म उपदेश सुती।।
नष्ट सपद्यव मे सोरुय अज्ञान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. बूज़ुम ज़ीवन हुंज़ उत्पत्ति तु प्रलय।
तिहुंदि नाशु रॉस आसनुच वखनय।।
यि रूप बूज़ मे विस्तारु सान। वॉनुय भगवानन...

3. युथ तॉहि पानस वनान छिवु ठीकतिथय।
तुहुंद ज्ञानुबल, ईश्वरी शक्ति।।
यि रूप छुस प्रकट वुछुन यछ़ान। वॉनुय भगवानन...

4. हे प्रभु, छुस बु यछ़ान करुन।
अमि अविनॉशी रूपुक दर्शुन।।
अगर मे छिवु अथ लायक ज़ानान। वॉनुय भगवानन...

5. भगवान छुस वनान, हे अर्ज़न।
म्यॉन्य सासुबॅदी बनावन वर्ण।।
नाना प्रकॉर्य गछ़ रूप वुछान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. मे मंज़ आदिपति हुंद वाहवाय पोत्र।
ज़ु अशवनी कुमार, ऑठ वसु तु काह रूद्र।।
वुछ स्यठा रूप म्यॉन्य आश्चर्य सान। वोनुय भगवानन...

7. म्यॉनिस शरीरस मंज़ च़राच़र हथ।
ऑकिस जायि दॅरिथ सोरुय ज़गत।।
बेयि यि केंछ़ाह येछ़ख ती गछ़ वुछान। वोनुय भगवानन...

8. यिमव मनुष्य नेत्रव हेकख नु वुछिथ।
दिमय दिव्य दृष्टि गछ़ान गछ़ वुछिथ।।
म्योन परमशक्ति वोल रूप महान। वोनुय भगवानन...

9. संजय धृतराष्ट्रस वनान।
यि वॅनिथ योगेश्वर कृष्णु भगवान।।
अर्ज़नस पनुन दिव्य रूप हावान। वोनुय भगवानन...

10. बे शुमार म्वख, नेत्रर, अॅजीब ज़ेवर।
अथन क्यथ ह्याथ अनेक दिव्य शस्त्र।।
रंग-रंग दिव्य वस्त्र शूभान। वोनुय भगवानन...

11. दिव्य खुशबू मीलिथ दिव्य माल लॉगिथ।
हदु रोस च्वापॉर्य म्वख दॅरिथ।।
विराठ रूप ईश्वरस अर्ज़न वुछान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. ज़न इकवट्ट सासुबॅद्य सिर्यि खसान।
सु प्रकाश कति कोताह छु आसान।।
विश्व रूपी ब्रह्म प्रकाशस च़ु वातान। वोनुय भगवानन...

13. बॉत्याह प्रकार अर्ज़न दीवन।
वुछि ब्योन ब्योन ज़गत सम्पूर्ण।।
श्री कृष्णस मंज़ सोरुय वुछान। वोनुय भगवानन...

14. यी वुछित आश्चर्य चकित छु अर्ज़ुन।
प्रकाशमान रूपस प्रणाम कोरुन।।
गुल्य गंडिथ छु श्रद्धायि सान। वोनुय भगवानन...

अर्ज़न वनान

15. हे दीव, छुस वुछान सॉरी ज़ीव।
तोहि मंज़ सॉरी, ऋेष, दीव तु महादीव।।
पम्पोशस प्यठ ब्रह्माजी विराजमान। वोनुय भगवानन...

16. अनुक नरि ज़ंगु, यॅड, म्वख, नेत्रव सान।
च़्वापॉर्य चोनुय रूप वुछान।।
अथन आदि न अन्त न दर्मियान। वोनुय भगवानन...

17. मुकुटधॉरी घद्दा, च़क्र ह्यथ शूभान।
प्रज़लवुन अॅग्न तु सिर्यि ह्युव तीज़वान।।
च़्वापॉर्य चमकवुन रूप छुस वुछान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

18. च़ुय परमु ब्रह्म, परमात्मा छुख।
परम आधार सारेय ज़गतुक।।
सनातन पुरुष धर्मुक निगेहबान। वोनुय भगवानन...

19. आदि अंत रोस सर्व शक्तिमान।
सिर्यि च़ॅन्द्रम नेत्र, म्वख अॅग्न प्रज़लान।।
ज़गत सोरुय यिहुंद तीज़ तापान। वोनुय भगवानन...

20. स्वर्ग, पृथ्वी, आकाश हन हन।
सॉरी तर्फ़ु चानि सुत्य परिपूर्ण।।
अमि भयंकर रूपु त्रिभवन लरज़ान। वोनुय भगवानन...

21. दीवताहन हुंदि समूह च़ेय मंज़ अच़ान।
कैंह गुल्य गंडिथ चोन गुण ग्यवान।।
ऋेष तु सिद्ध वनान कर कल्याण। वोनुय भगवानन...

22. कांह रूद्र, कांह आदित्य तु ऑठ वसुव।
गन्धर्व, पेत्र, राक्षस तु सिद्ध साधव।।
हॉरान गॅछ़िथ च़ेय कुन वुछान। वोनुय भगवानन...

23. चॉन्य वारयाह नरि ज़ंगु म्वख वुछिथ।
दन्द, अॅडमु तु खोफनाक रूप डीशिथ।।
सॉरी ह्यथ बु छुस व्याकुल गछ़ान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. आकाशस तान्य चोन रूप तेज़ुवान।
वाहरॉविथ ऑस अॅछ ज़ोतान।।
छुस कांपान सबर छुम रावान। वॉनुय भगवानन...

25. खॉफनाक अॅडमु तु म्वख प्रल्युक नार।
वुछिथ छुम नु कुनि तर्फ़ु स्वख करार।।
दीवतन हुंद छुख दयावान। वॉनुय भगवानन...

26. धृतराष्ट्र पुत्र सारिवुय राज़व सान।
च़े मंज़ छि सॉरी प्रवेश करान।।
भीष्म द्रोनाचार्य तु करणस सान। वॉनुय भगवानन...

27. सानि तर्फ़ुक बॉड यॉद्धा ति लारान।
चॉनिस खॉफनाक ऑसस मंज़ अच़ान।।
कॅंह दन्दन मंज़ कॅंह अॅडमन फसान। वॉनुय भगवानन...

28. यिथु पॉठ्य कॉलन हुंद ज़ल लॅहरु मारान।
समन्दरस कुन बडान तु दौरान।।
तिथय पॉठ्य यिमय च़े मंज़ प्रवेश करान। वॉनुय भगवानन...

29. पोंपुर नारु गाशस छि लारान।
वुछान वुछान तिम भस्म सपदान।।
यिम लुख ति च़ेय मंज़ अच़ान तु मरान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

30. छिव दज़ुवुन्य असि लुकन ग्रास करान।
सारिवुय तर्फव छिवु फेशान।।
सोरुय ज़गत तीज़ चानि गर्मान। वॊनुय भगवानन...

31. तॊहि खॊफनाक रूप कम छिवु वॅनितव।
हे दीवन हुंदि दीव ख्वश गॅछ़ितव।।
हे आदि दीव छुस यी ज़ानुन यछ़ान। वॊनुय भगवानन...

32. भगवान वनान वुन्यिक्यन छुस महाकाल।
लूकन नाश करनुक आम ख्याल।।
चानि युद्ध न करनु बचि नु कांह यी ज़ान। वॊनुय भगवानन...

33. लिहाज़ा चु युद्ध कॅरिथ यश कर प्राप्त।
राज ज़ेन दुश्मन करुख समाप्त।।
बहानु बन, हरिमति छिम तिहुंन्य प्राण। वॊनुय भगवानन...

34. भीष्म, द्रोणाचार्य बॅयि जयद्रथ।
यिम मे मॉर्यमित सॉरी कर्ण ह्यथ।।
युद्ध कर चु ज़ेनख, मॅ गछ़ हॅरान। वॊनुय भगवानन...

35. संजय वनान, भगवान सुंदि यिम वचन।
बूज़िथ मुकुटधॉरी अर्ज़न।।
गुल्य ज़ु गंडिथ श्री कृष्णस वनान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

36. अर्ज़न वनान छुस हे भगवान।
यि छु पोज़ यिम छि चोन नाव ह्यवान।।
चान्यन ग्वणन हुंद कीर्तन करान। वोनुय भगवानन...

37. ज़गत सोरुय छु आनन्द प्रावाण।
सिद्ध तु साथ छि प्रणाम करान।।
खोफ़ु सुत्य राक्षस तर्फन च़लान। वोनुय भगवानन...

38. ब्रह्मा जियुन आदि कर्ती च़ुय।
च़ुय सारिनुय बोड सॉरी न्यमान च़ेय।।
सतचित्त आनन्द ब्रह्म च़ेय ज़ानान। वोनुय भगवानन...

39. हे आदि दीव, च़ु पुरातन पुरुष छुख।
परमुधाम बेयि आधार ज़गतुक छुख।।
ज़गतस व्याप्त हर ज़रस मंज़ आसान। वोनुय भगवानन...

40. च़ुय हवा, अॅग्न, वरुण तु च़न्द्रमा।
प्रज़ा स्वामी, ब्रह्मा जीयुन ति पिता।।
सॉरी बार-बार छिय नमस्कार करान। वोनुय भगवानन...

41. सर्वु शक्तिमान च़ेय पतु ब्रोंह नमस्कार।
सर्वुव्यापक च़ेय हर तर्फु नमस्कार।।
च़ु व्यापत सॉरिसुय छिय सर्वुरूप वनान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

42. प्रभाव न ज़ीनिथ छुसथ मित्र मानान।
हे कृष्ण, हे यादव वनान लोलु सान।।
सोचनु समझनु बगॉर क्या क्या वनान। वॊनुय भगवानन...

43. वॊथान बॆहान गिन्दान ख्यवान च्यवान।
कुटुम्भस या दोस्तन थी थदि बडि वनान।।
अपराद मॆ बख्शज़ी छुख दयावान। वॊनुय भगवानन...

44. च़राच़र गत पिता तु पूज्य गुरू।
च़ॆ ह्यु प्रभवु वोल बॆयि कुस छु।।
त्रॆन लोकन मंज़ कुस छु च़ॆ समान। वॊनुय भगवानन...

45. चान्यन पादन तल बु प्राण त्रावान।
अस्तुति करान चॉन्य श्रद्धायि सान।।
भक्तन प्यठ छुख च़ु प्रसन्न रोज़ान। वॊनुय भगवानन...

46. पिता पुत्र सुंद, मित्र मित्र सुंद।
या पति पनुनि टाठि पत्नी हुंद।।
छि च़लान तु च़ॉलिथ माफ करान। वॊनुय भगवानन...

47. अज़ वुछिथ यि ॲजीब रूप चोन।
खॊफु सुत्य व्याकुल गव मन म्योन।।
चूतुर्भज रूप छुसथ वुछुन यछ़ान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

48. मुकुटधार गधा, च़ॅक्र ह्यथ अथन क्यथ।
तिथय पॉठ्य वुछुन यछ़ान छुसथ।।
हे वैभव रूप मे तिमय रूप हाव पान। वॉनुय भगवानन...

49. भगवान वनान हे अर्ज़ुन।
अनुग्रह कॅरिथ हावयि दर्शुन।।
यि विराठ रूप म्योन स्यठाह तीज़ुवान। वॉनुय भगवानन...

50. यि म्यानि योगु शक्ति परमुधाम।
च़ॅ सिवाय वुछ नु काँसि अज़ताम।।
आदि अन्त म्योन रूप महान। वॉनुय भगवानन...

51. च़ॅय रॉस हॅकि नु कांह वुछ्थि।
वेद पॅरिथ, यॅज्ञ, तपस्या कॅरिथ।।
न कांह क्रिया कॅरिथ न धर्म दान। वॉनुय भगवानन...

52. भयंकर रूप वुछ्थि म गछ़ व्याकुल।
मूढ-भाव त्राव बॅयि मे प्राव बिल्कुल।।
चतुर्भुज रूप वुछ, शंख, गधा, चक्रसान। वॉनुय भगवानन...

53. संजय वनान, अर्ज़नस, श्री भगवान।
चतुर्भुज रूप हॉविथ कृष्ण वनान।।
बॅयि तस अर्ज़नस तसल्ला दिवान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

54. अर्ज़न दीव वनान, हे मधुसूदन।
डंजि दिल मे ब्यूठ कॅरिथ चोन दर्शुन।।
मनुष्य रूप वुछिथ छुस शान्त सपदान। वोनुय भगवानन...

55. भगवान वनान, चतुर्भुज रूप वुछुन।
स्यठा दुर्लभ छु यि म्योन दर्शुन।।
दीवता ति अथि दर्शनस तरसान। वोनुय भगवानन...

56. चतुर्भुज रूप च़े दर्शुन दिथ।
बेयि कांह रूप म्योन वुछुन येछ़ान।।
मे प्रावनु खॉतरु म्योन तत्व ज़ान। वोनुय भगवानन...

57. मगर युस मे समर्पित कर्म करान।
बेगर्ज़ तु वैर भावु रोस आसान।।
सारिनुय ज़ीवन ह्यु ज़ोनिथ मे प्रावाण।
वोनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 12

अर्ज़न वनान

1. युस मनुष्य च़े साक्षात रूप बजान।
या निराकार रूप सुमरान।।
यिमन मंज़ कुस च़े योगवान भासान।
वॊनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

श्री भगवान वनान

2. एकाग्र मन युस धारि म्योन ध्यान।
मॆ सगुण रूप बजि श्रद्धायि सान।।
योगियन मंज़ मॆ श्रेष्ठ भासान। वॊनुय भगवानन...

3. युस मनुष्य इन्द्रियन वश छु करान।
मॆ सर्वव्यापक, निराकार ज़ानान।।
मॆ परमुब्रह्मस पवरमु भाव बजान। वॊनुय भगवानन...

4. मॆ अविनॉशियस लगातार बजान।
सारिनुय ज़ीवन हुंद रुत कांछान।।
सु समभाव योगी छु मॆ प्रावाण। वॊनुय भगवानन...

5. निराकार ब्रह्मस मंज़ मन लगावान।
सु साधनायि कुन कुठिन आसान।।
यि गति मनुष्य दोखु सान प्रावाण। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

6. यिम सॉरी कर्म करन मे अर्पण।
भक्ति भावु सान करन सुमरण।।
सगुण रूप यिम म्योन ध्यान धारान। वोनुय भगवानन...

7. मे मंज़ मन लगावन वॉल्य प्रेमी।
मृत लोक संसार मोकलान छिय।।
छुस तिमन पानु बु उद्धार करान। वोनुय भगवानन...

8. येलि मे मंज़ मन बुद्धि लगावख।
तेलि च़े मंज़ निवास करख।।
अथ मंज़ कांह संशय छुनु चु ज़ान। वोनुय भगवानन...

9. अगर मन भासिय ठिकावुन मुश्किल।
योगु अभ्यासु सुत्य कर हॉसिल।।
मे प्रावनुच यछ़ा रोज़ करान। वोनुय भगवानन...

10. अगर च़े योगु अभ्याससस लगी न मन।
रोज़ मे कर्म समर्पित करन।।
कर्मुवान मे प्रावनुच सिद्धि प्रावान। वोनुय भगवानन...

11. साधना ति अगर हेकख नु कॅरिथ।
मनस तु बुद्धि प्यठ विजय प्रॉविथ।।
सोरुय कर्मु फल गछ़ त्यागान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. अभ्यासु ख्वतु ज्ञान, ज्ञान निश ध्यान।
ध्यानस ख्वतु कर्मु फल त्यागुन जान।।
त्यागु सुत्य शान्ति जल्दी प्रावाण। वोनुय भगवानन...

13. सारिनुय ज़ीवन लोलु नज़रि वुछान।
गर्ज़ तु मतलब रोस दयावान।।
मोह अहंकारु रोस तु क्षमावान। वोनुय भगवानन...

14. स्वख दोख समान, दुश्मनन ति बख्शान।
सु योगी सदा संतुष्ट रोज़ान।।
जीतेन्द्रीय भक्त टोठ मे आसान। वोनुय भगवानन...

15. यसुंद न काँसि ज़ीवस भय रोज़ान।
न पानस काँसि हुंद खोफ आसान।।
हर्ष तु हसदु रोस मे टोठ भासान। वोनुय भगवानन...

16. अन्दर नेबर पवित्र तु इच्छायि रोस।
न तरफदार, भय रोस आसि युस।।
सु मे टोठ युस यिम विषय छु त्यागान। वोनुय भगवानन...

17. युस नु ज़ांह ख्वश या गमगीन आसान।
न काँसि हुंज़ दुयि न कामना थावान।।
म्योन टोठ शुभ अशुभ कर्म त्यागान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. युस मित्र शोत्र तु मान अपमान।
तोत, तुरुन, स्वख, दोख मानि समान।।
म्योन टोठ मोह, ममता त्रावान। वोनुय भगवानन...

19. निन्दा तु प्रशंसा ह्युवुय ज़ानान।
पनुनि जीविकायि संतुष्ट रोज़ान।।
बेगर्ज़ तु मोह रोस भक्त मे टोठान। वोनुय भगवानन...

20. युस श्रद्धायि सान मे पान पुशरान।
मे वोनमुत धर्मुक अमृत च्यवान।।
सु भक्त स्यठाह मे टोठ आसान।
वोनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 13

1. श्री कृष्ण अर्ज़न दीवस वनान।
शरीर छु क्षेत्रकि नाव ज़ानन यिवान।।
ज़ानन वॉलिस क्षेत्र वनान।
वॊनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. सारिनुय क्षेत्रन मंज़ मे ज़ीवात्मा ज़ान।
प्रकृति तु पुरुष ज़ानुन तत्व सान।।
म्योन मानुन छुय अॅथ्य ज्ञान ज़ान। वॊनुय भगवानन...

3. सु क्षेत्र युथ छु बॅयि यॅमि विकारु वोल।
कमि कारण छु क्षेत्रज्ञ प्रभाव वोल।।
यि सोरुय बोज़ छ्रोचर सान। वॊनुय भगवानन...

4. ऋषव वारयाह प्रकॉर्य यि तत्व वॊनमुत।
वेदव ति च़ेय ब्यॊन ब्यॊन वखमुत।।
ब्रह्म सूत्र वति कोरमुत बखान। वॊनुय भगवानन...

5. पँच़ महाभूत, मन, ब्वद तु प्रकृति।
अख मन बॅयि दॅह इन्द्रिय छिय।।
बॅयि पाँच़न ज्ञानु इन्द्रियन विषय ज़ान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. इच्छा द्वेष स्वख दोख मान अपमान।
काँसि ज़ीवस कुनि रंगु नु दोख दिवान।।
मन वॉणी किन्य स्यॊद तु क्षमावान। वॊनुय भगवानन...

7. श्रद्धायि भक्ति भाव, गुरू सेवा करान।
नेबरु अन्दरु श्वद अन्त:कर्ण आसान।।
मन, शरीर वश करान इन्द्रियव सान। वॊनुय भगवानन...

8. यिम नरिलोकिक भोग त्यागान।
ज़्यनु मरनु, बुजिरुक्य दोख दॉद्य स्वरान।।
यिमन विषयन प्यठ व्यज़ार करान। वॊनुय भगवानन...

9. त्रय, पुत्र, घरु बॅयि दौलत धन।
अथ मोह ममतायि मंज़ न फसन।।
टोठ तु अटोठ प्रावुण यकसान। वॊनुय भगवानन...

10. मॅ इश्वरस भक्ति योग स्वरिथ।
एकान्त पवित्र जायि शान्त रूज़िथ।।
विषय भोगी मनुष्य दूर रोज़ान। वॊनुय भगवानन...

11. आध्यात्म ज्ञानस मंज़ दॉरिथ रोज़ान।
तत्व ज्ञानु रूप भगवान वुछान।।
यी ज्ञान छु अथ उल्टु गव अज्ञान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. ज़ानुन लायक ठीक पॉठ्य ज़ान।
ज़ॉनिथ मनुष्य परमानन्द प्रावान।।
सु आदि रॉस ब्रह्म, सत अस्त ज़ान। वॉनुय भगवानन...

13. प्रथ तर्फ़ु अथ्, ख्वर अॅछ तु कलु वोल।
हर तर्फ़ु कन हर तर्फन म्वखु वोल।।
सॉरिसुय संसारस छु व्यॉपिथ आसान। वॉनुय भगवानन...

14. सारिनुय इन्द्रियन हुंद विषय ज़ान।
मगर पानु इन्द्रियव रॉस आसान।।
बेलगावु अथ पालान पोशान। वॉनुय भगवानन...

15. सारिनुय ज़ीवन अन्दरु नॅबरु परिपूर्ण।
सूक्षम आसान, ज़ानुनस तल न यिवान।
छु नॅज़दीक सोरुय दूर भासान।। वॉनुय भगवानन...

16. सारिनुय मंज़ ऑसिथ सु ब्यॉन भासान।
विष्णु रूप ज़ीवन पालान पोशान।।
ब्रह्मा रूप उत्पन्न रूद्र रूप नाश करान। वॉनुय भगवानन...

17. मायायि दूर, तीृज़न मंज़ तीज़वान।
तत्व ज्ञान सु ब्रह्म प्राप्त सपदान।।
सारिनुय हृदयन मंज़ रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. यिथु पॉठ्य क्षेत्र तु क्षेत्रज्ञ ज्ञान।
मे परमात्मा सुंद रूप ज़ान।।
भक्त यी ज़ॉनिथ मेय प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

19. प्रकृति तु पुरुष अनादि ज़ान।
विकार तु गुण प्रकृति पॉदु करान।।
राग द्वेश, गुण अवगुण उपदान। वॉनुय भगवानन...

20. कार्य कारण उत्पन्न सपदान।
अम्युक कारण प्रकृति मानान।।
स्वख दोख योग ह्युव ज़ीवात्मा ज़ान। वॉनुय भगवानन...

21. पुरुष प्रकृति मंज़ दॉरिथ रोज़ान।
प्रकृज़ सुत्य त्रिगुण पॉदु सपदान।।
यिमव गुणव नेक बद पुण्य प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

22. यथ शरीरस मंज़ छु परमात्मा।
वुछन तो रछन वोल भरता।।
ब्रह्मादिकन हुंद स्वामी महेश्वर ज़ान। वॉनुय भगवानन...

23. यिथु पॉठ्य पोरूष तु प्रकृति ज्ञान।
युस यि गुणव सान ज़ानान।।
सु सोरुय कॅरिथ तिनु ज़्यवान मरान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. कॉत्याह मनुष्य तस ब्रह्मस वुछान।
सूक्ष्म ब्वद हृदयस मंज़ दॉरिथ ध्यान।।
कॅह ज्ञान कॅह कर्मु योग प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

25. बॅयि ति कृत्य यिम कम अकल आसान।
ज्ञॉनियन निश बूज़िथ अमल करान।।
तिम ति छि सागरस तार लभान। वॉनुय भगवानन...

26. हे अर्ज़न, यि जढ़ तु चेतन ज़ान।
क्षेत्र तु क्षेत्रज्ञ मलु पॉदु सपदान।।
यि चर अचर छु सोरुय नाशवान। वॉनुय भगवानन...

27. यिमन नाश गछ़न वाल्यन मंज़ ज़ान।
अविनॉशी ब्रह्म समभाव रोज़ान।।
युस यि ज़ानि सु परमगति प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

28. तिक्याज़ि युस सॉरिसुय मंज़ डेंशान।
दॉरिथ समभाव परमब्रह्म वुछान।।
पानस पानय छुनु नष्ट करान। वॉनुय भगवानन...

29. युस मनुष्य कर्मन हर प्रकॉर्य ज़ानान।
प्रवृति वश कॅह न यिवान वुछान।।
आत्मा अकरता ज़ॉनिथ छु सही वुछान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

30. युस ज़ीवन हुंद ब्यॉन भाव डीशिथ।
ब्रह्मस मंज़ दॉरिथ व्यस्त वुछिथ।।
सु मनुष्य तॅलि ब्रह्मस प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

31. हे अर्ज़न, निर्गुण तु आदि रॉस ऑसिथ।
सारिनुय शरीरन मंज़ वास कॅरिथ।।
न कॅंह करान न छु हेनु यिवान। वॉनुय भगवानन...

32. आकाश यिथु कॅन्य व्याप्त आसान।
सूक्ष्म आसनु सबु च़े लगाव रोज़ान।।
आत्मा देहस मंज़ छुनु लुप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

33. हे अर्ज़न, अकि सिर्यि सुत्य सपदान।
यि सोरुय ब्रह्माण्ड प्राकशवान।।
अख आत्मा सोरुय क्षेत्र प्रज़लावाण। वॉनुय भगवानन...

34. युस क्षेत्र तु क्षेत्रज्ञ राज़ ज़ानान।
सु ज्ञॉनी प्रकृति गुणव मुक्त आसान।।
सुय महात्मा छु परमात्माहस प्रावाण।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 14

1. भगवान वनान, यि उत्तम ज्ञान।
ज़ॉनिथ मुक्त गॅयि मुनीश्वर तु ज्ञानुवान।।
हे अर्ज़न, च़ै बु वनय थाव ध्यान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. यॅम्य यि ज़ोन सु म्योन स्वरूप प्रावाण।
आदि सृष्टि छुन पॉदु सपदान।।
न प्रलय काल व्याकुल सपदान। वॉनुय भगवानन...

3. म्यॉन्य मूल प्रकृति छि गर्भ धाराण।
न ज़ितिनि रूप अथ योनि ब्यॉल त्रावान।।
जड़ तु चेतन मीलिथ ज़ीव पॉदु सपदान। वॉनुय भगवानन...

4. प्रकृति माता रूप गर्भ धाराण।
न पिता रूप अथ ब्यॉल त्रावान।।
रंग रंग शरीर शक्ति ज़ीव ज़न्म ह्यवान। वॉनुय भगवानन...

5. सतोगुण, रजोगुण तु तमोगुण।
यिम त्रिगुण प्रकृति निश व्वपदान।।
यिमय गुण ज़ीवात्माहस शरीर आवरान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. हे अर्ज़न, गुणव मंज़ सतोगुण जान।
विकार रॉस, निर्मल तु प्रकाशमान।।
यि स्व्ख, शान्ति तु ज्ञानु सुत्य मेलान। वॉनुय भगवानन...

7. रजोगुण राग रूप कामना करान।
ज़ीवात्माहस कर्मन मंज़ लगावान।।
बॅयि कर्मुफल आशा थावान। वॉनुय भगवानन...

8. तमोगुण अज्ञान प्यठ व्वपदान।
मनुष्यस मोह ज़ालस फसावान।।
प्रमाद आलस्य बॅयि नेन्द्र रावुरावान। वॉनुय भगवानन...

9. सतोगुण स्वख शान्ति प्रावुनावान।
रजोगुण सकाम कर्मन लगावान।।
तमोगुण व्यथ इच्छायि आवुरावान। वॉनुय भगवानन...

10. रज तु तम दबॉविथ सतोगुण बडान।
सत तु तम दबॉविथ रजोगुण हुरान।।
सत तु रज दबॉविथ तमोगुण वॉतलान। वॉनुय भगवानन...

11. यॅलि देहस तु इन्द्रियन, अन्त:कर्णन।
ज्ञानुक प्रकाश छुय पॉदु सपदान।।
ज़ानुन गछ़ि तॅलि सतोगुण बडान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. रजोगुण बडनु सुत्य लोभ बडान।
आशान्ति, हवस, सकाम कर्मन लगान।।
विषय भोगन हुंज़ यछ़ा पॉदु सपदान। वॉनुय भगवानन...

13. तमोगुण इन्द्रियन होश रावुरावान।
आलुछ़, नेन्द्र, प्रमाद पॉदु करनावान।।
अन्त:कर्णन मोह घटु नाल वलान। वॉनुय भगवानन...

14. यॅलि मनुष्य सतोगुण समय देह त्यागान।
उत्तम कर्मुवानन हुंज़ जायि प्रावाण।।
स्वर्गु लोकन छु प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

15. सात्विक फल स्वख, शान्ति दिवान।
राजस फल दॉख रूपी आसान।।
तामस फल बॅडरावान अज्ञान। वॉनुय भगवानन...

16. सतोगुण सुत्य ज्ञान पॉदु सपदान।
रजोगुण बेशक लोभ बॅडावान।।
तमोगुण सुत्य मोह अंधकार फॉलान। वॉनुय भगवानन...

17. त्रॅण गुणन मंज़ संसार माया ज़ान।
गुणन ख्वतु ब्रॉठ युस मे परमब्रह्म वुछान।।
यी ज़ानन वोल म्योन स्वरूप प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. यि शरीर पॉदु करन वॉल्य यिम त्रे गुण।
ज्ञॉनी मनुष्य यिहुंद लगाव पज़ि त्रावन।।
ज़्यनु मरनुक्य दोख मोकलिथ मे प्रावाण। वोनुय भगवानन...

19. अर्ज़न छु वनान, हे भगवान।
मनुष्य किथु पॉठ्य गुणातीत बनान।।
तिहुंद्य क्या क्या लक्षण छि आसान। वोनुय भगवानन...

20. तस क्युथ आचार विचार छु आसान।
बेयि सु कमि किस्मुक्य उपाय करान।।
येमि सुत्य त्रेयव गुणव सु मोकलान। वोनुय भगवानन...

21. भगवान वनान, हे अर्ज़न।
सतोगुणकी रूप प्रकाश आसान।।
रजोगुणुक सिपत प्रवर्ति ज़ान। वोनुय भगवानन...

22. तमोगुण रूप मोह तु दोख आसान।
युस प्रॉविथ यिमन दुय न करान।।
न प्रावनु अमिच काँक्षा ति करान। वोनुय भगवानन...

23. यि ज़ॉनिथ छुनु परेशान सपदान।
ज़ानान गुणयि गुणन मंज़ वरतावान।।
परमब्रह्मस मंज़ दॉरिथ रोज़ान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. लगातार तिम शान्त भाव रोज़ान।
छि स्व्ख दॉख ज़ानान यकसान।।
मेच़ कनि स्वन, रोफ ह्युवुय भासान। वॉनुय भगवानन...

25. ज्ञॉनी टोठ अटोठ ह्युवुय ज़ानान।
निंद्या तु प्रशंसा समान मानान।।
न कुन्युक गम तु खुशी आसान। वॉनुय भगवानन...

26. मान, अपमान, मित्र शत्र समान।
अहंकार निश दूर, स्यठा कर्मुवान।।
तस मनुष्य गुणातीत छिय वनान। वॉनुय भगवानन...

27. युस मे लगातार भक्तिभाव सुमरान।
अवरोध रॉस त्रेन गुणन तार लबान।।
मे ब्रह्मस प्रावणस लायक बनान। वॉनुय भगवानन...

28. सु अविनॉशी प्रमब्रह्म छुस बुय।
अमृत रूप सनातन धर्म छुस बुय।।
परमानन्दुक भण्डार मेय ज़ान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 15

श्री भगवान वनान

1. यि संसार रूप पीपल कुल आसवुन।
मूल ह्यॉर कुन तु लंजि ब्वन कुन।।
ब्रह्म रूप लंजि, वेद रूप पन आसान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. यथ संसार कुलिस अविनॉशी वनान।
युस मनुष्य अथ तत्व सान ज़ानान।।
सु वेदुक असल मतलब समझान। वॉनुय भगवानन...

3. यि संसार कुल त्रेगुण रूप बडान।
अथ थव विषय भोग रूप नेरान।।
देव, मनुष्य बगैर योनी आसान। वॉनुय भगवानन...

4. यिम योनी रूप लंजि हेर ब्वनु फॉलान।
मनुष्य लोकस वासनायि हुंद मूल वॅहरान।।
कर्मव अनुसार मोह ममतायि मंज़ फसान। वॉनुय भगवानन...

5. यॅमि संसारु कुल्यकुय छुस रूप भासान।
विचार करनु पतु छुनु त्युथ भासान।।
अथ नु आदि अन्त कुनि डंजि भासान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. यि संसार रूपी पीपल कुल।
मोह ममतायि वासना रूप दूर बिल्कुल।।
अथ वॉराग़ु रूपी हथियार च़टान। वॊनुय भगवानन...

7. अमि पतु सु परम पद छ़ांडान।
यॊत गॅछ़िथ बॅयि वापस छिनु यिवान।।
भगवानस शरण गछ़ श्रद्धायि सान। वॊनुय भगवानन...

8. यिहुंद मोह तु मान आसि नष्ट गॊमुत।
आसक्ति रूप अवश्य आसि ज़्यूनमुत।।
यिम परम ब्रह्मस मंज़ दॅरिथ रोज़ान। वॊनुय भगवानन...

9. यिमन कामनायि पूर नष्ट सपदान।
दॊख स्वखुक्यव धन्धव मुक्त आसान।।
तिम ज्ञॉनी मनुष्य परम पद प्रावाण। वॊनुय भगवानन...

10. सु परम पद म्योन युथ प्रकाशमान।
सिर्यि च़ॅन्द्रम छुनु त्युथ तीज़वान।।
सु पद प्रॉविथ मनुष्य ज़न्म मरन मॊकलान। वॊनुय भगवानन...

11. यथ देहस मंज़ यि ज़ीवात्मा ज़ान।
छु म्योनुय सनातन अंश आसान।।
प्रकृति दॅरिथ मनस तु इन्द्रियन खींचान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. यिथु पॉठ्य वाव पानस सुत्य मुशुक निवान।
ज़ीवात्माहस तु मन, इन्द्रियन सान।।
अख शरीर त्यॉगान, बेयिस मंज़ ज़ेवान। वोनुय भगवानन...

13. यि ज़ीवात्मा अॅछव तु कनव सुत्य।
नस्ति ऑसु तु मनु क्यव ख्यालव सुत्य।।
यिहुंदि मद्दु सुत्य विषय भोग भूगान। वोनुय भगवानन...

14. शरीर त्यागान या अॅथ्य मंज़ रोज़ान।
विषय भोगान या त्रेगुण वरतान।।
अज्ञॉनी न ज़ानान, ज्ञॉनी ज़ानान। वोनुय भगवानन...

15. यत्न करन वॉल्य योगी तु ज्ञानुवान।
पनुनिस हृदयस दॉरिथ आत्माहस रोज़ान।।
अज्ञॉनी यत्न कॅरिथ ती न ज़ानान। वोनुय भगवानन...

16. सिर्युक तीज़ युस ज़गत प्रज़लावान।
युस तहज़ च़न्द्रमस ति अॅग्न आसान।।
यि सोरुय प्रकाश म्योनुय ज़ान। वोनुय भगवानन...

17. पृथ्वी मंज़ अॅच़िथ पनुनि शक्ति सान।
सॉरी ज़ीव पालान तु पोशान।।
अमृतमय च़न्द्रम अवशधि पूठान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. सॉरी ज़ीव शरीरन मंज़ रोज़ान।
प्राण अपान यॅलि विषकर्न अॅग्नु भान।।
च़ोर प्रकार अॅन्न छुख श्रपरावान। वॉनुय भगवानन...

19. अर्न्तयॉमी रूप हृदयन मंज़ बसान।
स्मृति ज्ञान तु वेद ज़ानन्नु यिवान।।
वेदान्त बनावान बॅयि वेद ज़ानान। वॉनुय भगवानन...

20. संसारस मंज़ अविनाशी तु नाशवान।
क्षर अक्षर दॉयि प्रकॉर्य मनुष्य आसान।।
आत्मा अविनॉशी तु शरीर नाशवान। वॉनुय भगवानन...

21. यिमन दॉन मंज़ उत्तम ब्याखुय ज़ान।
छु त्रैन लोकन तु सारिनुय पालान।।
तस अविनॉशियस परमब्रह्म वनान। वॉनुय भगवानन...

22. तवय वेदन मंज़ मे पुरूषोत्तम वनान।
वॉनुय भगवानन...

23. युस ज्ञॉनी मे तत्व सान ज़ानान।
पुरूषोत्तम नाव ज़ानि मैय सु ज्ञानुवान।।
सु लगातार मे वासुदीवस बजान।वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. हे अर्ज़न, यि गुप्त तु पुरअसरार ज्ञान।
मॅ वनि ज़ानि युस पोरूष तत्व सान।।
छु सु कृतार्थ तु ज्ञानुवान बनान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

अध्याय - 16

1. भगवान वनान, युस बेखॉफ छु आसान।
बॅयि युस अन्त:कर्ण श्वद्ध आसान।।
लगातार आसि म्योन ध्यान धारान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. द्वेश काल व्यचॉरिथ दान दिवान।
इन्द्रियन तु मनस काबू थावान।।
दीवताहन तु गुरूजनन आसि पूज़ान। वॉनुय भगवानन...

3. ऑग्निहोत्र तु जान कर्म करान।
वेद शास्त्र परान तु पुरुनावान।।
भगवत गुणन हुंद कीर्तन करान। वॉनुय भगवानन...

4. मन, वॉणी, शरीर, कॉसि कष्ट नु द्युन।
पनुन क्या परुद क्या ह्युवुय ज़ानुन।।
दोस्त तु दुश्मन ज़ानुन यकसान। वॉनुय भगवानन...

5. बदस सुत्य ति नेक वर्ताव करान।
मन शान्त थॉविथ क्रोधी नु सपदान।।
कर्म करनुक त्रावुन अभिमान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. मनुच चंचलता नु आसॉनी।
कॉंसि हुंज़ न ज़ांह निन्दा करॉनी।।
सॉरिसुय ज़ीव ज़ॉच़ प्यठ दयावान। वॉनुय भगवानन...

7. इन्द्रियन, विषयन हुंद लगाव त्रावुन।
शास्त्रन विरूद न कांह कार करुन।।
व्यर्थ इच्छायन हुंज़ कामना नु थावान। वॉनुय भगवानन...

8. तीज़, क्षमा भाव, सबर तु श्वद्धि।
बॅयि नु कॉंसि सुत्य थावुन्य दुश्मनी।।
न पनुनि बजरुक आसुन अभिमान। वॉनुय भगवानन...

9. हे अर्ज़न, यिम छि सॉरी तिहुंद्य गुण।
यिम दीव सम्पदा ह्यथ गॅमित उत्पन्न।।
यिम सॉरी तिहुंदी लक्ष्ण ज़ान। वॉनुय भगवानन...

10. क्रोध, पाखण्ड, अहंकार तु अज्ञान।
तिमन मनुष्यन हुंदि लक्षण आसान।।
यिम आसुरी वृत्रि ह्यथ पॉदु सपदान। वॉनुय भगवानन...

11. देव ज़ात मुख्ति हुंज़ वथ प्रावाण।
असुर ज़ात मोह ज़ाल वलनु यिवान।।
हे अर्ज़न, चु छुख दीव ज़ॉच़ इनसान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. यथ लोकस दोयि प्रकॉर्य मनुष्य आसान।
दीव प्रकृत़ वाल्यन हुंज़ सेद्धी ज़ान।।
असुर वृत्ति वॉल्य वनय विस्तारु सान। वोनुय भगवानन...

13. असुर ज़ात आच़ार विच़ार न ज़ानान।
न अन्दरिम न नेबरिम श्वदि आसान।।
न जान चाल चलन न पज़र आसान। वोनुय भगवानन...

14. असुर वृत्ति वॉल्य मनुष्य मानान।
यि ज़गत अपुज़ आसारु रोस ज़ानान।।
सोरुय पानय वनान कति छु भगवान। वोनुय भगवानन...

15. त्रय पुरुष सम्बंध यि पॉदु सपदान।
काम, विषय भोग कारण बनान।।
अमि वरॉय बेयि कॅंह छुनु ज़ानान। वोनुय भगवानन...

16. अज्ञानु सुत्य यिम नष्ट गॅमित्य।
यिम मूर्ख छि यिथ भ्रष्ट गॅमित्य।।
ज़गतुक्य नाशु खॉतरु पॉदु सपदान। वोनुय भगवानन...

17. मकार, दोखुबाज़ बे भरोसु इनसान।
न पूर गछ़वुन्य कामना थावान।।
अपुज़ चालु सदा अपनावान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. बेशुमार चिन्तायन मंज़ फसान।
मनस ताम भोग भोगुन यछ्यान।।
यितु छु स्वख, बस यी वनान। वॉनुय भगवानन...

19. युस मनुष्य हतु बज़ु आशायि थावान।
भोग भोगान, काम क्रोधस मंज़ फसान।।
अन्याय कॅरिथ धन सॉम्बरावान। वॉनुय भगवानन...

20. सिर्फ सोंचान करु कूत हॉसिल।
बाकुय मनोरथ पूरु करु बिल्कुल।।
दौलत किथु कॅन्य छि बेयि जड़ान। वॉनुय भगवानन...

21. अख शोत्र मोरुम बाकुय ति मारख।
बु ईश्वर छुस मे ऑश करनुक हख।।
मे सिदा तु स्वख छुम, छुस बलवान। वॉनुय भगवानन...

22. स्यठा धनुवान छुस कुटुम्ब वोल।
मे सिवाय छुनु कांह आसन वोल।।
बु यज्ञ कर बेयि दिमु स्यठाह दान। वॉनुय भगवानन...

23. अज्ञानु किन्य सोंचान रोज़ान।
विषय भोगन मंज़ फॅसिथ रोज़ान।।
यिमय मनुष्य क्रूठ नर्क छि भोगान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. पुनिस पानस श्रेष्ठ मानन वॉल्य।
अहंकॉरी तिम मान मध मतुवॉल्य।।
पाखण्डी विधि रॉस यज्ञ करान। वॉनुय भगवानन...

25. यिम अहंकार बल तु क्रोध बॅरिथ।
पुनन्यन तु दॉयिमन दीह मंज़ दॅरिथ।।
मे अर्न्तयॉमियस सुत्य दुय थावान। वॉनुय भगवानन...

26. यिमन दुय थावन वाल्यन पॉपियन।
आचार रॉसत्यन क्यव कमीनन।।
असुर योनि छेख बार बार मेलान। वॉनुय भगवानन...

27. यिथु मूर्ख छिनु मे ज़ांह प्रावाण।
ज़न्म ज़न्म असुर योनि प्राप्त सपदान।।
ऑखुर घोर नर्कस छि गछ़ान। वॉनुय भगवानन...

28. काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहं बुद्धि नाश करान।
यिमय चु दरवाज़ु नर्कुक्य ज़ान।।
मे प्रावाण सुय युस यिमन छु त्यागान। वॉनुय भगवानन...

29. हे अर्ज़न, युस यिमन कचि मंज़ थावान।
सु पुनि कल्याणुच वथ खुलावान।।
परमु पद लबान तु मेय प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

30. युस मनुष्य शास्त्र विधि त्रावान।
पनुनि यछ़ायि मनमॉनी करान।।
सु न स्वख, सिद्धि न ब्रह्म प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

31. च कर्तव्य तु अकर्तव्य कर्म ज़ान।
यिमन हुंदि केवल शास्त्र मान प्रमाण।।
शास्त्र विधि रोज़ कर्म करान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 17

1. अर्ज़न दीव श्री भगवानस प्रुछान।
यिम मनुष्य शास्त्र विधि प्रावान।।
श्रद्धायि सान दीवादिदीवस बजान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. यिछि श्रद्धायि हुंद क्या छु महिमा।
यि सात्विक, राजसिक या तामसिक छा।।
त्रेयव मंज़ कुस कमि प्रकॉर्य आसान। वॉनुय भगवानन...

3. यिम शास्त्र विद्धि त्राव, भगवान।
सिर्फ पनुनि स्वभावु श्रद्धा थावान।।
यि सत, रज, तम त्रे प्रकॉर्य आसान। वॉनुय भगवानन...

4. हे भारत, श्रद्धा सारिनुय मनुष्यन।
यिहुंद्यन अन्त:कर्णन किन्य आसन।।
श्रद्धामय मनुष्य तिछ श्रद्धा आसान। वॉनुय भगवानन...

5. सात्विक मनुष्य दीवन छु पूज़ान।
राजसी यक्षन तु राक्षसन स्वरान।।
तामसी भूतन प्रेतन पूज़ा करान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. यिम मनुष्य शास्त्र विधि त्रावान।
मनुष्य कल्पनायि स्व्ख तपस्या करान।।
मगर अभिमान तु कामना थावान। वॊनुय भगवानन...

7. यिम शरीरु रूप दॉरिथ सारिनुय ज़ीवन।
अन्त:कर्णन मंज़ कष्ट दिवन।।
तिम अज्ञॉनी असुर स्वभाव आसान। वॊनुय भगवानन...

8. भोज़न ति त्रेयि प्रकॉर्य टोठ आसान।
त्रेयि किस्मु तप, यज्ञ, दान ति आसान।।
यिमन हुंद ब्यॉन ब्यॉन वनय विस्तारु सान। वॊनुय भगवानन...

9. आयु, अकल, बल, सेहत बडावन वॉल्य।
रसीली पिशली धैर्य थावन वॉल्य।।
यि ख्यन सात्विक मनुष्यन टोठ आसान। वॊनुय भगवानन...

10. ट्यॊठ, च़ोक, त्रोश तु गर्म आसन वोल।
दोख दिवान तु रूगन बडावन वोल।।
राजस मनुष्यन यि भोज़न ठीक लगान। वॊनुय भगवानन...

11. अपोक, खुशक, रसु रोस तु बदबू वोल।
छ्यॊट, अपवित्र, तुरुन तु यॅच़कोल।।
तामसी मनुष्यन छु म्यूठ बासान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. शास्त्र विधि सान यज्ञ करान।
कतर्व्य ज़ॉनिथ तु कर्मु फल न यछ़ान।।
स्वख दिनु वोल यि सात्विक यज्ञ ज़ान। वॉनुय भगवानन...

13. मगर युस यज्ञ पाखण्ड सान।
फल प्रावनु खॉतरु करनु यिवान।।
तथ यज्ञस छि राजस यज्ञ वनान। वॉनुय भगवानन...

14. शास्त्र विधि रॉस तु श्रद्धायि सिवाय।
मंत्र रॉस तु दक्षिणायि वरॉय।।
यि करुन छु तामस यज्ञ आसान। वॉनुय भगवानन...

15. दीवन, ब्रह्मणन, गुरूजनन सेवा।
सेज़र, पज़र, ब्रह्मचर्य तु अहिंसा।।
यिम सॉरी शरीर सम्बन्धी तप ज्ञान। वॉनुय भगवानन...

16. बैर न थावुन, प्रेयवुन बोलुन।
वेद शास्त्र परुन तु दयि नाव स्वरुन।।
अथ वॉणी सम्बन्ध तप छि वनान। वॉनुय भगवानन...

17. मन शान्त थावुन, ख्वश भाव रोज़ुन।
श्वद अन्त:कर्ण मन वश करुन।।
भगवत ध्यान करुन मनुक तप ज़ान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. फल न येछ़न वॉल्य योगी जन।
श्रद्धायि सान अथ प्यठ दॉरिथ रोज़ान।।
यि त्रैयि प्रकॉर्य तप सात्विक ज़ान। वॉनुय भगवानन...

19. युस तप मान सम्मान प्रावणु बापथ।
पाखण्ड सान करान कॅह मतलब ह्यथ।।
नाश़वान फलु वोल तप राजस ज़ान। वॉनुय भगवानन...

20. युस तप मूर्ख करान हठ सान।
मन, वॉणी, शरीरस पीढ़ा ज़रान।।
बेयन कष्टदायक तप तामस ज़ान। वॉनुय भगवानन...

21. दान द्युन छु पज़ि पॉठ्य धर्म आसान।
देश काल तु पात्र वुछिथ द्युन जान।।
सु दान छु सात्विक मानु यिवान। वॉनुय भगवानन...

22. युस दान सत्कार रोस सख्ती सान।
फल तु मतलब खॉतरु करनु यिवान।।
त्युथ दान करुन राजस ज़ान। वॉनुय भगवानन...

23. युस दान ज़बरदॅस्ती तु अपमान मान।
कुसमय कुपात्रस छु दिनु यिवान।।
सु दान चु बेशक तमोगुण ज़ान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. ओं तत सत त्रैयि प्रकॉर्य ज़ान।
सत चित्त आनन्द ब्रह्म भाव सान।।
यिमवुय वेद ब्रह्म यज्ञ प्रकट आसान। वॉनुय भगवानन...

25. वेद ज़ानन वॉल्य श्रेष्ठ इनसान।
शास्त्र विधि करान तप, यज्ञ तु दान।।
यी ओं नाव सुत्य आरम्भ सपदान। वॉनुय भगवानन...

26. तत नाव दय सुंद यि सोरुय ज़ान।
फल त्यॉगिथ चु कर तप, यज्ञ तु दान।।
यि क्रिया कॅरिथ सु प्रावाण कल्याण। वॉनुय भगवानन...

27. सत रूप परमात्मा सुंद नाव ज़ान।
श्रेष्ठ तु सत कर्मन कुन लागान।।
उत्तम क्रियायि सुत्य भाव वरतावान। वॉनुय भगवानन...

28. यज्ञ, तप, दानुच प्रवृति सत आसान।
परमात्मा सुंद नाव कर्म तु सत मान।।
विश्वास आसुन सत माननु यिवान। वॉनुय भगवानन...

29. हे अर्ज़न, श्रद्धायि रॉस कर्म करुन।
तप, ज़प करुन तु बॅयि दान द्युन।।
यि सोरुय असत तु लाभु रॉस ज़ान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

अध्याय - 18

1. अर्ज़न वनान छु, हे भगवान।
यि सन्यास तु बॅयि त्याग तत्व सान।।
ब्यॉन ब्यॉन ज़ानुन छुस बु येछ़ान।
वॉनुय भगवानन गीता ज्ञान।।

2. भगवान वनान छुस कॅंह पण्डित ज़न।
किम कर्म त्यॉगिन सन्यास ज़ानन।।
दॉयिम कर्मु फल त्यॉगनस सन्यास वनान। वॉनुय भगवानन...

3. त्रय, पुत्र, धन आदि प्रावणु बापथ।
बॅयि रोग, संकट दूर करनु बापथ।।
ज़प, तप, यश यिम कर्म करान। वॉनुय भगवानन...

4. ईश्वर भक्ति, देवताहन पूज़ा।
माता-पिता, गुरूजनन हुंज़ सेवा।।
यज्ञ, तप, दान करुन वर्ण अनुसार। वॉनुय भगवानन...

5. शरीर निर्वाह पक्षी ख्यन वारकार।
इह लोकुक, परिलोकुक यिम कर्म जान।।
यिम नाव सॉरी कर्मु फल त्यागुण जान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

6. कॅंह विदान कर्मुदोष लद मानान।
यिम सॉरी त्यागनि लायक ज़ानान।।
कॅंह तप, दान, यज्ञ त्यागुण न मानान। वॊनुय भगवानन...

7. तप, दान, यज्ञ करुन कर्तव्य मान।
यिम त्यागुन्य लायक छिनु आसान।।
यिम पुण्य करन वॉल्य मनुष्य आसान। वॊनुय भगवानन...

8. यज्ञ, तप, दान, आवश्यक ज़ान।
बेगर्ज़ तु निश्काम करुन आसान।।
यि निश्चय कॊरमुत म्योन मत ज़ान। वॊनुय भगवानन...

9. नाकारु कामि कर्म छुनु जान।
स्वकर्मन हुंद त्याग लॉज़िम न ज़ान।।
मोह वश तामस त्यागुण ज़ान। वॊनुय भगवानन...

10. सॉरी कर्म छिय दॊखु रूप आसान।
पनुनि कष्ट खॉतरु यिम छि त्यागान।।
अथ त्यागस छि सात्विक त्याग वनान। वॊनुय भगवानन...

11. यिम शास्त्र विधि सॉरी कर्म करान।
बॅयि यिमन कर्मन हुंद फल ति त्यागान।।
तिम त्यॉगी बेशक छि बुद्धिमान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

12. तिक्याज़ि मनुष्य देहदॉरी ऑसिथ।
सॉरी कर्म करनि हेकि नु त्यॉगिथ।।
कर्मुफल त्यॉगिथ छि त्यॉगी बनान। वॊनुय भगवानन...

13. कर्मुफल न त्यागन वोल इन्सान।
मरनु पतु नेक बद फल प्रावाण।।
कर्मु फल त्यॉगिथ मनुष्य मॊकलान। वॊनुय भगवानन...

14. कर्मन हुंज़ि सिद्धि हुंद वुछ कारण।
यिम कर्मन अन्त:कर्णुक उपाय बनन।।
साँख्य शास्त्रस वंदिमति जान। वॊनुय भगवानन...

15. कर्मन हुंज़ सिद्धि मंज़ अधिष्ठान।
कर्ता ति ब्यॊन ब्यॊन करान आसान।।
नाना प्रकॉर्य यछ़ायि अख दिवान। वॊनुय भगवानन...

16. मनुष्य मन वॉणी तु शरीरु सुत्य।
शास्त्र मूजूब या अथ विपरीत।।
कर्म करनुक्य पाँछ़ कारण ज़ान। वॊनुय भगवानन...

17. यि ऑसिथ ति युस मनुष्य मूढ़ आसान।
सु श्वद आत्माहस कर्ता ज़ानान।।
अज्ञॉनी छुनु असलियत ज़ानान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

18. बु करान छुस यि अहम यस नु आसान।
सु संसॉरी विषयण तु कर्मन फसान।।
सु सारिनुय मॉरिथ ति न कांह मारान। वॉनुय भगवानन...

19. गीता ज्ञान ति त्रैयि प्रकॉर्य आसान।
यिम कर्म करनुच प्रेरणा दिवान।।
कर्ता, कारण, क्रिया कर्म संग्रह ज़ान। वॉनुय भगवानन...

20. गुण, गँज़रन वॉल्य शास्त्र छि वनान।
ज्ञान, क्रिया, कर्म त्रैयि प्रकॉर्य आसान।।
यिम सॉरी मे निश बोज़ थव ध्यान। वॉनुय भगवानन...

21. यिम ज्ञॉनी मनुष्य ब्योन ब्योन ज़ीवन।
ॲकिसुय ब्रह्मस मंज़ सम भाव वुछन।।
सु ज्ञान छु सात्विक वननु यिवान। वॉनुय भगवानन...

22. मगर यिम ज्ञॉनी मनुष्य सारिनुय ज़ीवन।
किस्मु किस्मु भावु अलग अलग डेंशान।।
तथ ज्ञानस छि राजस ज्ञान वनान। वॉनुय भगवानन...

23. ॲकिस शरीरस लोग रोज़ुन।
युक्ति रॉस तु बेमतलब आसुन।।
सु ज्ञान तुच्छ तु तामस आसान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

24. युस कर्म करि शास्त्र विधि सान।
न कर्मुक अभिमान न कैंह काँछान।।
राग द्वेष करुन सात्विक ज़ान। वॉनुय भगवानन...

25. युस कर्म स्यठा दुश्वार आसान।
कर्म करन वोल फल आसि यछ़ान।।
सु कर्म करुन राजस ज़ान। वॉनुय भगवानन...

26. यॅमि कर्मुक परिणाम हिंसा तु नुकसान।
न सामर्थय सान न विचॉरिथ करनु यिवान।।
सु केवल अज्ञान तु तामस ज़ान। वॉनुय भगवानन...

27. युस कर्ता बन्धन रॉस आसान।
अहंकार निश दूर कथ बात करान।।
सु सॉबिर तु उत्साह वोल आसान। वॉनुय भगवानन...

28. कार्य सिद्धि गछ़नस प्यठ नु तोशान।
न असिद्धि गछ़नस पछतावान।।
तॅमिस निर्विकारस सात्विक वनान। वॉनुय भगवानन...

29. युस कर्मु फल यछ़ान लोभ सान।
बदकार इन्सान दॉयिम्यन कष्ट दिवान।।
सु कर्ता राजस माननु यिवान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

30. युस कर्ता मूढ़ मूर्ख तु नादान।
बेयन हुंद रोज़गार नष्ट करान।।
दुयिवुन, आलसी तु तामसी आसान। वॊनुय भगवानन...

31. हे अर्ज़न बुद्धि तु वृत्ति ज़ान।
गुणव किन्य ति त्रैयि प्रकॉर्य आसान।।
पूज़ा पाठ अलग अलग वनय थव ध्यान। वॊनुय भगवानन...

32. प्रवृत्ति तु निवृत्ति मार्ग युस ज़ानान।
कर्म अकर्म, मुक्ति बन्धन हिवुय मानान।।
भय अभय बराबर तॅमिस सात्विक मान। वॊनुय भगवानन...

33. यस बुद्धि धर्म अधर्म न ज़ानान।
न कतर्व्य अकतर्व्य सही मानान।।
हे अर्ज़न, स्व बुद्धि चु राजस ज़ान। वॊनुय भगवानन...

34. यस बुद्धि अधर्मस धर्म मानान।
सॉरी कर्म धर्मस उल्ट करान।।
स्व बुद्धि पूर पॉठ्य तामस आसान। वॊनुय भगवानन...

35. युस मनुष्य ध्यान योगु सुत्य मन प्राण।
न इन्द्रियन हुंज़ क्रियायि धारण करान।।
स्व वृत्ति/धारणा सात्विक चु ज़ान। वॊनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

36. युस मनुष्य फलुच येछ़ा थॉविथ।
धर्म अर्थ कामस लोभस रूज़िथ।।
स्व धारणा शक्ति राजस ज़ान। वॉनुय भगवानन...

37. यॅमि धारणा शक्ति मूर्ख इन्सान।
नेन्द्र, आलस्य, दॉख तु कष्ट प्रावाण।।
स्व शक्ति तामस धारणा ज़ान। वॉनुय भगवानन...

38. हे अर्ज़न, स्वख ति त्रॅयि प्रकॉर्य आसान।
यथ स्वखस मंज़ करि मनुष्य धर्म ध्यान।।
सेवा भाव दॉखन नष्ट करान। वॉनुय भगवानन...

39. युस स्वख इन्द्रिय विषयव सुत्य मेलान।
भोगुन अमृत परिणाम विष आसान।।
सु स्वख छु तामस वनु यिवान। वॉनुय भगवानन...

40. पृथ्वी स्वर्गस मंज़ तु दीवताहन।
यिमव अलावु ति कांह रछ़ न आसन।।
प्रकृच़ हुंद त्रॅगुण यॅति न आसान। वॉनुय भगवानन...

41. ब्रह्मण, क्षेत्रीय वॅश्य तु शूद्रन।
कर्म यिहुंद्य स्वभाव सुत्य उत्पन्न।।
गुणव किन्य गॉमित मुकर ज़ान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

42. दोयिम्यन हुंदि अपराध क्षमा करान।
वेद, शास्त्र, पुरान तु परनावान।।
यिम ब्रह्मण सुंदि स्वभाविक कर्म ज़ान। वोनुय भगवानन...

43. शूरवीर, तीज़वान, च़ोतुर आसान।
युद्ध मंज़ न पथ ह्योन बेयि दान दियुन।।
आत्म सम्मॉनी, सहन शक्ति वॉल्य क्षेत्रयि ज़ान। वोनुय भगवानन.

44. ज़मीनदॉरी, गौ-पालन तु पॅज़्य कारोबार।
यि छु वेश्य सुंद स्वभाविक व्यवहार।।
सेवा भाव चाण्डाल सुंद कर्म ज़ान। वोनुय भगवानन...

45. पनुनि पनुनि स्वभाव यिम कर्म करान।
भगवत प्राप्ति रूप सिद्धि प्रावाण।।
बोज़ सु सिद्धि किथु पॉठ्य प्रावाण। वोनुय भगवानन...

46. श्रेष्ठ पर-धर्म निश गछ़ि धर्म पनुन।
गुणु रोस ति ऑसिथ गछ़ि श्रेष्ठ मानुन।।
स्वभाविक धर्म न पाप येछ़ान। वोनुय भगवानन...

47. विवश ऑसिथ ति सुकर्म न त्यागान।
सारिनुय कर्मन छि कैंह विवशता रोज़ान।।
यिथु पॉठ्य दुह ऍग्नस सुत्य आसान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

48. युस बेलगाव कर्म छु करान।
अन्त:करणु छु निमित रोज़ान।।
सु साँख्य योग निश कर्म सिद्धि प्रावाण। वोनुय भगवानन...

49. ज्ञान योगस युस स्थित छु थावान।
युस स्यॊद सादु मनुष्य ब्रह्मस छु प्रावाण।।
हे अर्ज़न, बाज़ वनय छ़ोचरु सान। वोनुय भगवानन...

50. सोम तु सात्विक भोजन करन वॉल्य।
एकाँत, शुद्ध, श्रोत्रि जायि रोज़न वॉल्य।।
अन्त:करण तु ब्वद्ध श्वद्ध थावान। वोनुय भगवानन...

51. मन, वॉणी, शरीर वशस थावान।
काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार त्रावान।।
राग-द्वेष त्रॉविथ वेराग्य प्रावाण। वोनुय भगवानन...

52. सारिनुय ज़ीवन समान ज़ानान।
बेयि कुन्युक गम न येछ़ा थावान।।
सु परा भक्ति छु प्राप्त सपदान। वोनुय भगवानन...

53. परा भक्ति सुत्य मे ब्रह्मस ज़ॉनिथ।
बु यी छुस युथ छुस यी तत्व मॉनिथ।।
अमी तत्व ज्ञानु मंज़ु लय सपदान। वोनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

54. सु कर्मु योगी मे परायण सपदिथ।
बेयि सॉरी कर्म लगातार कॅरिथ।।
म्यानि ध्यानु छु म्यॉनी परमगति प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

55. सॉरी कर्म मन किनि मे अर्पण कर।
समबुद्धि, समत्व थॉविथ मे पान पुशर।।
निश्चय कॅरिथ धार म्योनुय ध्यान। वॉनुय भगवानन...

56. भावु सान येलि मे मंज़ मन लगावख।
म्यॉन्य वचन बोज़ख अहंकार त्रावख।।
न बोज़नु नष्ट गछ़ख, मेय कुन थाव ध्यान। वॉनुय भगवानन..

57. अगर अहंकार किन्य छुय च़े ख्याल।
बु युद्ध करनु, अथ प्यठ रोज़ुन मुहाल।
चोन स्व्भाव च़े युद्ध करुनावान। वॉनुय भगवानन...

58. हे अर्ज़न, मोह किन्य छुख नु येछ़ान।
चोन स्वभाव च़े कर्म करुनावान।।
कर्मु बन्धन छु ज़ोर बडावान। वॉनुय भगवानन...

59. शरीर रूपी च़क्र सारिनुय ज़ीवन।
परमब्रह्म कर्मव अनुसार फिरवन।।
सु सारिनुय इन्द्रियन हृदयन मंज़ रोज़ान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

60. च़ु प्रथ रंगु, तन, मन हे अर्ज़न।
तॅमिस परमब्रह्मस गछ़ शरण।।
तिहुंज़ि कृपायि प्रावख परम स्थान। वॉनुय भगवानन...

61. यिथु कॅन्य प्रेरणादायक उत्तम ज्ञान।
वॉनमय पूर पॉठ्य, थाव अथ कुन ध्यान।।
पतु च़ु ती कर यी छुख येछ़ान। वॉनुय भगवानन...

62. कन थव बोज़ गुप्त बॅयि सीर वोल वचन।
चानि हितु खॉतरु बॅयि वनय, थव कन।।
च़ु मॅय टोठ छुख सपदीय कल्याण। वॉनुय भगवानन...

63. हे अर्ज़न, मॅय अर्पण कर पनुन मन।
म्यॉन्य पूज़ा कर च़ु भक्त म्योन बन।।
बार-बार मॅय रोज़ प्रणाम करान। वॉनुय भगवानन...

64. यी कॅरिथ मॅ ज़रूर प्राप्त सपदख।
छुसय वादु करान, बोज़ च़ु बेशक।।
तिक्याज़ि च़ु छुख मॅ टोठ भासान। वॉनुय भगवानन...

65. सॉरी धर्म तु कर्म त्यॉगिथ।
शरण गछ़ मॅ सर्व उद्धार ज़ॉनिथ।।
तमाम पाप मॉकलॉविथ दॉखव सान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

66. यि गीता रूपी ज्ञान छु उत्तम सेठा।
भक्ति तु तप रॉस्तिस वनिज़ि न ज़ांह।।
खासकर यिमन न बोज़नुच कल आसान। वॉनुय भगवानन...

67. युस सेठा लोलु तु प्रेमु सान।
म्यान्यन भखुत्यन छु बोज़ुनावान।।
सु मनुष्य मे बेशक प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

68. अमि ख्वतु बॉड तु टोठ कर्मुवान कांह।
न पृथ्वी प्यठ न आसि ब्रॉह कुन ज़ांह।।
तॅमिस थॉद न टोठ कांह बासान। वॉनुय भगवानन..

69. युस मनुष्य असि दॉन हुंद यि समवाद।
गीता लोलु सान परि तु थावि याद।।
तॅमिसुंद ज्ञान यज्ञ आसि न बोज़नु यिवान। वॉनुय भगवानन...

70. युस मनुष्य लोल तु श्रद्धायि सान।
द्वेष दृष्टि रॉस बोज़ि गीता ज्ञान।।
सु उत्तम लोकन छु प्राप्त सपदान। वॉनुय भगवानन...

71. हे अर्ज़न, चु एकाग्रकॅरिथ मन।
गीता ज्ञान ओसुख बोज़ान।।
नष्ट सपद्योयि मोह तु अज्ञान। वॉनुय भगवानन...

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

72. अर्ज़न दीव वनान, हे भगवान।
स्मृति मे प्रॉव, नष्ट गव अज्ञान।।
चॉन्य आज्ञा बु पालु हर्षु सान। वॉनुय भगवानन...

73. संजय वनान, यिथु पॉठ्य यि उत्तम ज्ञान।
अर्ज़न दीवस वनान कृष्णु भगवान।।
मे बूज़िथ रोम-रोम हर्षित ओस सपदान। वॉनुय भगवानन...

74. व्यास जी नि कृपायि ऑस मे दिव्य दृष्टि।
वनान अर्ज़न दीवस श्री कृष्ण जी।।
मे पानु वुछ तु बूज़ यि पवित्र ज्ञान। वॉनुय भगवानन...

75. हे राजन, बार-बार छु पेवान याद।
कृष्ण जीयुन तु अर्ज़न दीवुन समवाद।।
सु परमोत्तम तु कल्याणकॉरी ज्ञान। वॉनुय भगवानन...

76. श्री हरी सुंद सु विष्णु रूप वुछ्थि।
बार-बार छुस बु तम्युक ध्यान कॅरिथ।।
आश्चर्यस गछ़ान तु हर्ष प्रावाण। वॉनुय भगवानन...

77. हे अर्ज़न, येति योगेश्वर कृष्णु भगवान।
बेयि अंजन गाण्डीव धनुषधॉरी महान।।
तति न्याय, विजय विभूति आसान। वॉनुय भगवानन...

सॉरी अंग लंजि ह्यथ सपुद मे कल्याण
बोज़नोव मोहिनी भगवद गीतायि हुंद ज्ञान

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

गुरू नमन

बडि बबु गुरूजी गुल्य गॅंडिथ छसय,
यॅति छुख तति म्योन भविनय जय।
आश छेम मॅ चॉनी च़रण मॅ रटिमय।।
यॅति छुख तति म्योन भविनय जय।।०।।

ऋषि, मुनि, साध बॅयि संत वनान,
ग्वडु गुरू गारुन गछ़ि अदु भगवान।
ज्ञान-ध्यान, पाठ-पूज़ा तॅलि सिद्धि छय।।
यॅति छुख तति म्योन भविनय जय।।०।।

बॅड्य भाग्यवान तिम यिम अथ प्यठ मरान,
स्वनु सुंज़ वतु सुय छुय हावान।
ज्ञान दिथ अज्ञानु मल दूर कॉरनमय।।
यॅति छुख तति म्योन भविनय जय।।०।।

पकनुयि गछ़ि बीज़ वतय,
सोर गछ़ि थावुन गोर कथय।
रोवमुत अथि यियम थाव तसुंज़ लय।।
यॅति छुख तति म्योन भविनय जय।।०।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

काम, क्रोध, लोभ, मोह तस छु गालान,
युस गुरू शब्दस आसि कन थावान।
सद्गुरू दरवाज़ु वॅथ्य आसान मेय।।
येति छुख तति म्योन भविनय जय।।०।।

लोकचार सोरुम पोज़ अपुज़ करान,
धर्मस कुन वथ ऑस न मे यिवान।
कमज़ोर, लाचार गॅछ़िथ निश आयिसय।।
येति छुख तति म्योन भविनय जय।।०।।

अॅछ गाश, नोन प्रकाश ज्ञान दिथ अनान,
लाला जी मोती बब नाव चोन जान।
गुल्य गॅडिथ परन पेमय च़रण ब रटहय।।
येति छुख तति म्योन भविनय जय।।०।।

अनाथ छेस सनाथ करुम, नज़रा मे त्राव,
गुरू बब, वाव हालि मंज़ छि म्यॉन्य नाव।
पॉपी छेस तार दिम यिनु बु डुलु गछ़य।।
येति छुख तति म्योन भविनय जय।।०।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

गुरू द्वार

बु माह लवुहा च़ै निश खँडहार,
कोरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।
कोरुम सरगम लोबुम मोकजार।।
कोरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

अजब लीला वुछिम चॉनी,
वनान ज़ॉनी तु अज़ॉनी।
नज़रे चॉनी छोकन बुलगार।।
कोरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

च़ै पूज़ान पाद छिय योगी,
मुनिज़न बेयि परम जोगी।
गुपिथ शक्ति च़ै मंज़ वेस्तार।।
कोरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

बु मोह मायायि ऑसुस लोर,
दया कॅरथम बॅनिथ बाँध ब्रोरँ।
मे आव ठॅहराव लॅबिथ दरबार।।
कोरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

न्यमुन कस छुम च़ै रोस्तुय वन,
यि सोरूय पान छुय च़ै अर्पण।
मधुर वॉणी च़ु मुश्कनि धार।।
कोरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

यि देह मेंञ्रिल बनोवुथ पोट,
महीन ज़न द्राव ग्रटिने ओट।
परमु योगी च़ै जॉनी यार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

च़ै शक्ति हुंद मे चॉविथ धार,
खॅसिथ प्यठ पतु ऑनुथ लतु चार।
प्रलय भास्योम ज़न सम्हार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

मे मा ज़ोन छु यि थुरुन वानय,
मे भास्योव यि कौरुथ पानय।
लगय नावस रॅटुथ म्यॉन्य खार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

च़ै नच़ुनॉविथ यि योगुच चट,
ती डींशिथ मे तोर पानस फट।
मे दोप वुन्य छुम गछ़न संहार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

खॅसिथ अथ प्यठ मे गतु आयम,
दयायि चाने मे वर द्रायम।
च़ै अथु डोलुथ मे गव संधार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

गॅजिस रसु रसु हजर कोसुथ,
च़ै पतुकनि काल पान लोगुथ।
च़टान बंधन चु खुदमुख्तार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लोब गुरूद्वार।।०।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

बु ओमुय बानु वुनि ऑसुस,
ॲंदरि थपि चानि बचरॉवुस।
मोहस, अहंस कौरुथ लुरपार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लौब गुरूद्वार।।०।।

बंधन फुटरिथ पथुर त्रॉवथस,
मुशुकु सुत्य तापु हौखनोवथस।
मे त्रॉवुथ छाँफ पनुन्य यकबार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लौब गुरूद्वार।।०।।

ऑखुर कुनि मंज़ु त्रॉविथ,
बन्धन सॉरी लयि त्रॉविथ।
बॅनिथ क्राल पतु च़े गोंडथम नार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लौब गुरूद्वार।।०।।

दयायि चानी बु पयिनय आस,
च़े पुशरिथ पान पौकुय द्रास।
न पानस म्वखतु पौख्तुकार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लौब गुरूद्वार।।०।।

बु छस दासन हुंज़ुय दास,
शाहन मंज़ शाह वनान विश्वास।
छे मस्ती म्यॉन्य मे मौख्तुहार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लौब गुरूद्वार।।०।।

छे कथ वाहम चु कर खामोश,
चु फौल भरजोश मगर पम्पोश।
गुपिथ लोलन चु कर अम्बार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लौब गुरूद्वार।।०।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

शिवस शाहस गव अथवास,
गिन्दान जोयि संगरन मंज़ रास।
मे गॅरीब नॅंगलोव लोलुक नार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लौब गुरूद्वार।।०।।

गुरू करतु मेति व्वन्य यॉरी,
बु पोश लागय च़े च़्वपॉरी।
च़े पादन तल हलम बु दॉरिथ।।
फोलु शुरय ह्यथ त्युथ दितम सब्ज़ार।।
कौरुथ अनुग्रह मे लौब गुरूद्वार।।०।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

गुरूजी दया कर

मुझे अपनी शरण मे लो
गुरूदेव मुझ पर दया कर दो!
ज्ञान के सागर से स्वामी
अब निर्मल गागर भरने दो!

जो भी आया तेरी शरण में
पार हुआ वह एक ही पल में
हम भी आये हैं तेरे दर पे
यहीं जीवन बसर करने दो!

अन्धेरे से पढ़ा वास्ता
सूझे नहीं अब कोई रास्ता
है नैना मेरी में ज्योति तेरी
इन नैनों को यूँ ही बहने दो!

चाहे डुबा दो, तारो दो चाहे
मर भी गये तो देंगे दुवायें
यह नाव मेरी और हाथ तेरे
मुझे भव-सागर से तार दे दो!

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

ज़न्म रथि खार

ज़न्मस यिथ गछ़ि गुरू धारुण।
ज़न्म पनुन गछ़ि रथि खारुन।।

ग्वर रॉस छुन कांह पॉज़ तु सत लबान
पर तु वेद सॉरी या गीता ज़ान
ऋषण तु मुनियन हुंद छु यी वनुन
ज़न्म पनुन गछ़ि रथि खारुन।।

यिथु पॉठ्य लोकुचार पतु जवॉनी कुन
गिन्दु भाष कॅरिथ रोज़ान असि पकवुन
लोकचार मोकल्यव आव यावुन
ज़न्म पनुन गछ़ि रथि खारुन।।

यिथु पॉठ्य बबस छि पुत्र सुंज़ शय
नखि डखि रोज़्यम तु शूबराव्यम मेय
बॉड गव तु बब ह्यॉतुन नच़ुनावुन
ज़न्म पनुन गछ़ि रथि खारुन।।

यिथ प्रिय पुरूषस बॅरिया आसान
तॅम्यसुंदि वरॉय अख च़्यूह न कासान
गव कुनुय ज़ोन तय मच़र ह्यॉतुन हावुन
ज़न्म पनुन गछ़ि रथि खारुन।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

यिथु पॉठ्य पृथ्वी असि रछान छेय
ख्यन च्यन च़ोरि वति कॉछि रटान स्वय
मल मॅकरेर असि पनुन छिस दिवान ख्योन
ज़न्म पनुन गछ़ि रथि खारुन।।

मोख्तुसर कांह पनुन छुन भासान
सोरूय छि अपुज़ुय माया आसान
'मोहनी' छि वनान अख दय पनुन
ज़न्म पनुन गछ़ि रथि खारुन।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

शंकर अस्तुति

अंत समयस यम केंकर येलि भयंकर मोख हावनम
दोबिस्यव सुत्य लायनम, क्रखचिख दिवान पीढ़ा दिनम
पार्वती ह्यथ हे शंकर, तमि विज़ि मनस मंज़ आसतम
शिव शंकर पाप हरतम, दोख तु संकट कासतम।।

यिच़ ज़िदी चंचल यिमव इन्द्रीय रूपी दुश्मनव
म्योन मन निन्दायि सुत्य कोरमुत परेशान दुरजनव
श्री उमा ह्यथ अथ मनस मंज़ वास करुवुन बासतम
शिव शंकर पाप हरतम, दोख तु संकट कासतम।।

बार-बार योत यिनु गछ़नु निश मोकलावान वोल चुय
दीवताहन ख्वश थावान चुय, असुर मिटावान वोल चुय
पार्वती वर हे दयासागर, मे दर्शुन हावतम
शिव शंकर पाप हरतम, दोख तु संकट कासतम।।

इन्द्र राज़ुन प्यठ छु शासन व्यवस्थित यिमन आश्रमन
छुख चलावान धर्मस प्यठ पनुनिस अकि अकि यिमन
हे प्रभु, दया मे करतम, धमर्चि वथ हावतम
शिव शंकर पाप हरतम, दोख तु संकट कासतम।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

कलि कालुच उलट्ट ग्रहद्यव, दुश्मनव असि वॅलिमुत्य
त्री-पुरूष ब्रह्मण तु क्षेत्रीय, पनुन्यव कर्तव्यव डलिमुत्य
अमि कारण म्योन मन भयि ह्यॊत, चु अथ मंज़ भास्तम
शिव शंकर पाप हरतम, दॊख तु संकट कासतम।।

बार-बार ज़्यनु मरनु सुत्य रंगु रंगु दॊखव दाद्यव च़ॊटुस
शुर्य बॉच़ आदि संसार मोह सॊदरस मंज़ फॊटुस
पनुनि पूज़ायि लागतम प्रथ विज़ि मनस मंज़ बासतम
शिव शंकर पाप हरतम, दॊख तु संकट कासतम।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

छुस नु आर

बरु क्याज़ि कॅरथस बुय।
शंकर मोख हाव चुय।।

वॅजिनस मोह ज़ालन,
जंगलन किथु वातु बुय,
छोंडमख कोहन तु बालन।
शंकर मोख हाव चुय।।

अज्ञान मे वलनु आव,
वथ युथ चॉन्य लबु बुय,
ज्ञानुक च़ोंग मे हाव।
शंकर मोख हाव चुय।।

बलनम मे दोख तु दॉद्य,
दर्शन चानि बलु बुय,
च़ल्यम गाँगल तु व्याद।
शंकर मोख हाव चुय।।

ॲछिनुय गाश सोर्योम,
दोदुर च़ाम वीरि कुलिकुय,
बंद-बंद ज़न वॅस्य प्योम।
शंकर मोख हाव चुय।।

बस्तम मंज़ हृदयस,
सनुम्वख रोज़ुम प्रकटुय,
खेन्य दिमय पनुनी वस।
शंकर मोख हाव चुय।।

लोकचारु ऑसुस सोंचान,
दकु ज़द कॅरथस बुय,
नेरनम सॉरी अरमान।
शंकर मोख हाव चुय।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

शंकर च़े लोगुथ बेआर,
कर्मु फल रुत ओसुम नय,
अख ज़र ओवुय ना म्योन आर।
शंकर मॉख हाव च़ुय।।

शुर्य ऑसिम मोसूम,
डॅकि डम्बि फॉलिनम तिमय,
क्रेहनुमाज़ दियुतमख ख्यॉन।
शंकर मॉख हाव च़ुय।।

'मोहनस' ऑश वसान धार,
आशुतोष म्योन छुख च़ुय,
किथु वाति अंद मज़ार।
शंकर मॉख हाव च़ुय।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

शंकर वन्दना

मे ना छुन च्रे वरॉय कांह।
शंकर बोज़तम कथा।।

ज़न्म ज़न्मन अथु प्यठ थॉविथ, रोज़तम दया कॅरिथ।
बनिहेम रूगन शफा, शंकर बोज़तम कथा।।

क्याज़ि कॅरथस बु गीर, दीज़िहेम मे हटिचीर।
ज़न्मस नु बुय यिमुहा, शंकर बोज़तम कथा।।

ऑसुस नु बु कॅह ज़ानान, ज्ञानु रोस नाव चोन ज़पान।
स्यज़रस आम खुर स्यठा, शंकर बोज़तम कथा।।

चान्यन गुणन हुंद बखान बूज़िथ, गनेयम चॉनी मे प्रीत।
रंगु रंगु कॅरुम पूज़ा, शंकर बोज़तम कथा।।

गॉमुच़ बु छेस नलय, पादि कमल चॉनी छलय।
दर्शनु चान्युक तमा, शंकर बोज़तम कथा।।

'मोहनस' द्रायि सॉरी तमा, करुम अथुरोट तु क्षमा।
दकु लायुन छुनु रवा, शंकर बोज़तम कथा।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

विशवास

मॉज चॉनी आश छम।
गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

भक्ति भाव सुत्य छ्रांडमख, मनसुय मंज़ थॉवमख।
ज्ञानुक प्रकाश सोज़तम, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

अज्ञानुच गट्ट कासतम, च़रणन तल जाय दितम।
दामन पनुन प्यठ त्रावतम, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

त्रावतम मलालु म्योनुय, छख चु म्योन कबीलु क्रोनुय।
ब्वछि छेम कोछि मे हेतम, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

कर्म नुय पूरुय मे कंह, मॉज ह्योतथम दूरुय च़े।
खोचु मा मे रॉछ करतम, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

ज़न्म बेयि हेमुहा नु बुय, कॅरिमित्यव पापव मोकलाव चुय।
कर्मु लॉनिस सेज़र करतम, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

क्याज़ि ज़न्मस अॅनिथस, अकि च़िह्य रूज़ुस नु ख्वश।
नर्कु येमि मोकलावतम, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

हेरि पेयस बोनु ज़ॅमीनस, चाख कुत्य लॅगिम सीनस।
छोकन कोरुम नु कॉसि मलहम, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

च़ै निश कॅह छुनु च़ूरि रूज़िथ, कोताह आम गुदरिथ।
लोक लज़ायि निश रछतम, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

सोनमोख मॉज रोज़तम च़ुय, गालतम काम, क्रोध तु दुयि।
शफा रोगन मे करतम, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

शरणागतन छेख च़ु रछान, यॉदवय आसन तिम पॉपी महान।
माजि कुमाता ज़ांह छेनु बनन, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

'मोहनु' छेय हलम दॉरिथ, गुल्य गॅडिथ प्रणाम कॅरिथ।
मुक्ति तु भक्ति हुंज़ वथ हावतम, गरि गरि सुत्य रोज़तम।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

दोख़ संसार

कमन सोन सूरतन ति सूर सपदुय
हा पनुनि पानो ज़ान व्वन्य च़ुय
जान जान न्यामुच़ चूरि थवान बुय
हा पनुनि पानो ज़ान व्वन्य च़ुय।।

जिगरस मंज़ टॉठ्य चीज़ थावान
क्रेंहनुमाज़ शुर्यन बॉच़न ख्यावान
पॅरिथ लीखिथ फोलनम गुलाब थरि बुय
हा पनुनि पानो ज़ान व्वन्य च़ुय।।

संसार वुछुम ज़न सॅदर ज़्यूठुय
न छुस अंद तु बोठ, तार द्युन क्रूठुय
येमि संसारु मंज़ु क़िथु मोकलु बुय
हा पनुनि पानो ज़ान व्वन्य च़ुय।।

विज़ि कुनि मेठान कुनि टेठान मन
कुनि च़ोक्यर तय कुनि ब्रेठान मन
गीरि दकु यिनु पतु ति ब्रोंह पकान बुय
हा पनुनि पानो ज़ान व्वन्य च़ुय।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

लूकन हुंज़ किलु, कज़ाह लगान
छॉकुलद ज़न तमि सुत्य गछ़ान
लूख हा कडान कनि कनि ॲमिसुय
हा पनुनि पानो ज़ान व्वन्य चुय।।

बुथ छॅलिथ नेरव, तथ ति हेडान
यस न गछ़ि स्व कथ करनि लगान
भगवान अख दया करुम पननिय
हा पनुनि पानो ज़ान व्वन्य चुय।।

'मोहनी' छेय प्रारान हलम दॉरिथ
नखि डखि रोज़ुम बब तु मॉज बॅनिथ
पोश शेरि लागय, आरती करुय बुय
हा पनुनि पानो ज़ान व्वन्य चुय।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

प्रभु भजन

मैं भजन तुम्हारा ना गाता -
मेरा जन्म-जन्म का तुझ से नाता
मत खोलो प्रभु मेरा खाता
मेरा जन्म-जन्म का तुझ से नाता!

कौन जन्म मैंने भूल न कीनी
कौन जन्म तूने क्षमा न दीनी
मैं दीन हूँ तू मेरा दाता
मेरा जन्म-जन्म का तुझ से नाता!

खाता मेरा सब ही काला
मोह, ममता और विषय वाला
रहा दिन रात बस पाप कमाता
मेरा जन्म-जन्म का तुझ से नाता!

पूत कपूत भले हो जाये
पर पिता अपने प्रण को निभाये
माता न होये कुमाता
मेरा जन्म-जन्म का तुझ से नाता!

भव सागर में है नीर अपार
'मोहिनी' को करो भव सागर पार
मैं मानुष तन ना गँवाता
मेरा जन्म-जन्म का तुझ से नाता!

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

सचा दरबार

दरबार में सच्चे सद्गुरू के
दुःख दर्द मिटाये जाते हैं
दुनिया के सताये लोग यहाँ
सीने से लगाये जाते हैं!

यह महफिल है मस्तानों की
हर शख्स यहाँ पर मतवाला
भर-भर के जाम इबादत के
यहाँ सब को पिलाये जाते हैं!

ऐ जगवालो, क्यों डरते हो
इस दर पे शीश झुकाने से
ऐ नादानो, यह वह घर है
सिर भेंट चढाये जाते हैं!

इल्ज़ाम लगाने वालों ने
इल्ज़ाम लगाये लाख मगर
तेरी सौगात समझ कर के
हम सिर पे उठाये जाते हैं!

जिन प्यारों पर ऐ जगवालो
हो खास इनायत सत्गुरू की
उनको ही संदेशा आता है
और वह ही बुलाये जाते हैं!

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

दुबयि

कॅशीरि हुंद आबोहवा, मेवु ज़ॉच़ जान।
बतु दादि नेबर गछ़ान तति परेशान।।

कति बनन येतचि सारेय सौगात
सारिवुय ख्वतु पनुनि कथ तय बाथ
रंगु रंगु बूलि तति सॉरी करान
बतु दादि नेबर गछ़ान तति परेशान।।

येति द्रायि दिल्ली तति खॅत्य जहाज़स
आकाशस प्यठ बु वुडान छेस
क्या वति वति वुछ कराची सान
बतु दादि नेबर गछ़ान तति परेशान।।

रात गॅयि सुबहन वॉत्य मसकछ़ान
गर्मु सुत्य ततीं गछ़ान छूट्ट छूट्ट
ऐ-सी बगॉर नु अख रछ़ पकान
बतु दादि नेबर गछ़ान तति परेशान।।

तति अकलि शकलि सॉरी जान
मगर असि तिमन कुन वुछ्थि खोच़ान
असि कुन तिम छिनु कलु थोद तुलान
बतु दादि नेबर गछ़ान तति परेशान।।

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

डॉड हथ पोर तति मकानुय
सडकु तु सोरूय तति चमकानुय
दुबयेस मंज़ एकव्येरियम, मॉल जान
बतु दादि नेबर गछ़ान तति परेशान।।

अलीन, आभुदाबी तु जबल हफीज़ जायेय
जुव, मार्केट-माल, पार्क क्या क्या वुछिमय
डॉम्ब म्योन कर्मु फॉलिन डेकु डम्बि सान
बतु दादि नेबर गछ़ान तति परेशान।।

अदु क्या 'मोहनन' वॅन्य दॅलील जान
शोलान तु शूभिदार म्योन कॅबील हान
दुबय गॅछ़िव ततिकुय गम चॉप ह्यवान
बतु दादि नेबर गछ़ान तति परेशान।।

❋ ❋ ❋

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE

Digitized by eGangotri

CC-0. In Public Domain. Funding by IKS-MoE